E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
विकसित भारत समाचार
वर्ष : 11 | अंक : 85 | गुवाहाटी | गुरुवार, 24 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

उपभोक्ता आयोग ने दिया 15000 रुपए का भुगतान करने का आदेश पेज 2
अपने सहयोगियों को दबाने की राजनीति करती है कांग्रेस : भाजपा पेज 3
सुकन्या समृद्धि योजना केंद्र सरकार की बड़ी पहल : डॉ. पूनिया पेज 5
सुल्तान जोहोर कप में भारत की शानदार जीत, मलेशिया को 4-2 से हराया पेज 7

Door graph
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
पहले निश्चय करिए, फिर कार्य आरंभ करें।
- आचार्य चाणक्य

जनसांख्यिकीय अखंडता की रक्षा के लिए झारखंड में लागू होगा एनआरसी : हिमंत

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान के सह-प्रभारी भी हैं, ने अप्रवास से जुड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तनों पर चिंता जताई। 23 अक्तूबर को इस मुद्दे पर बोलते हुए, शर्मा ने असम में जनसंख्या परिवर्तन के अपने प्रत्यक्ष अवलोकन पर प्रकाश डाला, और इसके लिए पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ को जिम्मेदार ठहराया। एक समानता दर्शाते हुए शर्मा ने कहा कि घुसपैठियों के कारण असम में मुस्लिम आबादी 1951 से लगभग दोगुनी हो गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) और कांग्रेस की झारखंड के लिए भी ऐसी ही योजना है, लेकिन भाजपा राज्य की जनसांख्यिकीय अखंडता की रक्षा के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार बनने पर हुसैनाबाद बनेगा जिला और बदला जाएगा नाम

रांची। विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड का सियासी पारा हाई है। राज्य में 13 और 20 नवंबर को दो चरण में मतदान होगा। चुनाव प्रचार जोरों पर है। आरोप-प्रत्यारोप, दावों और वादों का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में असम के सीएम और भाजपा झारखंड चुनाव सह-प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सत्ता में आई तो हुसैनाबाद जिला बनेगा। साथ ही इस जिले का नाम बदलकर -शेष पृष्ठ दो पर

जेएमएम वंशवाद की राजनीति में विश्वास रखता है : हिमंत विश्व

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) वंशवाद की राजनीति में विश्वास रखता है तभी उसने पार्टी नेता हेमंत सोरेन, पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत सोरेन को चुनाव मैदान में उतारा है। दरअसल, झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए झामुमो ने बुधवार को 35 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन और भाई बसंत के नाम शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री ने इसी सूची को लेकर पार्टी पर निशाना साधा है। शर्मा झारखंड चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सह प्रभारी हैं। उन्होंने उम्मीदवारों के बीच पारिवारिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि झामुमो की उम्मीदवार सूची स्पष्ट रूप से वंशवाद की राजनीति को दर्शाती है। उन्होंने तंज किया कि झामुमो में विविध उम्मीदवार नहीं हैं और अगर जरूरत पड़ी तो भाजपा अतिरिक्त उम्मीदवार दे सकती है। उनका इशारा भाजपा से हाल में झामुमो में शामिल हुए नेताओं की ओर था। राज्य की 81 -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मानव तस्करी : राज्य से नाबालिग लड़कियों को बचाया गया

गुवाहाटी। बिहार में मानव तस्करी पर एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए, असम के अल्पसंख्यक और आदिवासी समुदायों की 10 नाबालिग लड़कियों को दो अलग-अलग ऑर्केस्ट्रा समूहों से बचाया गया है। बिहार पुलिस ने नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोप में असम के अब्दुल रहीम शेख समेत पांच ऑर्केस्ट्रा संचालकों को गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

तुर्किए में आतंकी हमला, दस की मौत कई को बनाया बंधक

अंकारा। तुर्किए की राजधानी अंकारा में एविएशन कंपनी तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (टूसास) के मुख्यालय के बाहर एक बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इसके बाद भी वहां मौजूद दो आतंकवादी लगातार हमला कर रहे हैं। इस विस्फोट में 10 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। हालांकि मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। प्रारंभिक जांच में इस हमले को आत्मघाती -शेष पृष्ठ दो पर

हमें आतंकवाद और टेरर फंडिंग से मजबूती से लड़ना होगा

ब्रिक्स समिट में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने बुधवार को ब्रिक्स समिट को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं जनहितकारी है। वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए आवाज उठानी होगी। हम सुरक्षित समृद्ध भविष्य के लिए सक्षम हैं। इस दौरान पीएम ने आतंकवाद के खिलाफ भी आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि हमें आतंकवाद और टेरर फंडिंग से मजबूती से लड़ना होगा। हमें युवाओं को कट्टरपंथ की ओर जाने से रोकना होगा। भारत युद्ध नहीं संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज की बैठक के शानदार आयोजन के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि हम पहली बार विस्तारित ब्रिक्स परिवार के रूप में मिल रहे हैं। ब्रिक्स परिवार से जुड़े सभी नए सदस्यों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। पिछले एक साल में रूस की सफल अध्यक्षता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का अभिनंदन करता हूं। पीएम ने कहा, हमारी बैठक एक ऐसे समय में हो रही है जब विश्व युद्धों, संघर्षों, आर्थिक अनिश्चितता, क्लाइमेट चेंज और आतंकवाद जैसी अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। विश्व में नार्थ-साउथ और पूर्व-पश्चिम विभाजन की बात हो रही है। महंगाई पर रोकथाम, फूड सिक्योरिटी, एनर्जी सिक्योरिटी, हेल्थ सिक्योरिटी और वाटर सिक्योरिटी सभी देशों के लिए प्राथमिकता के विषय हैं। पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी के युग में, साइबर सिक्यूरिटी, डीप फेक, दुष्प्रचार जैसी नई चुनौतियां बन गई हैं। ऐसे में ब्रिक्स को लेकर बहुत अपेक्षाएं हैं। मेरा मानना है कि एक विविध एवं समावेशी प्लेटफॉर्म के रूप में ब्रिक्स सभी विषयों पर सकारात्मक भूमिका अदा कर सकता है। इस मामले में हमारी सोच लोगों पर केंद्रित होनी चाहिए। हमें विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं, जनहितकारी समूह है। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि हम युद्ध नहीं, डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। जिस तरह हमने मिलकर कोविड जैसी चुनौती को परास्त किया, उसी तरह हम भावी पीढ़ी के सुरक्षित, सशक्त और समृद्ध भविष्य के लिए नए अवसर पैदा करने में पूरी तरह सक्षम हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद और टेरर फंडिंग से निपटने के लिए हम सभी को एकमत होकर दृढ़ता से सहयोग देना होगा। ऐसे गंभीर विषय पर दोहरे मापदंड के लिए कोई स्थान नहीं है। हमारे देशों के युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए हमें सक्रिय रूप से कदम उठाने चाहिए। यूएन में कंप्रिहेंसिव कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल टेररिज्म के लंबित मुद्दे पर हमें मिलकर काम करना होगा। इसके साथ ही हमें साइबर सिक्योरिटी के साथ ही सुरक्षित एआई के लिए काम करना चाहिए। ब्रिक्स ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद में बदलाव करने की इच्छाशक्ति रखता है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें यूएनएससी -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने 27 जिलों के 36 राजस्व सर्किल कार्यालय बंद करने की घोषणा की

गुवाहाटी। असम के राजस्व विभाग ने राज्य भर में 36 राजस्व सर्किल कार्यालयों को बंद करने की घोषणा की है, जिससे निवासियों में व्यापक आशंका पैदा हो गई है। प्रशासनिक सेवाओं को समेकित करने के उद्देश्य से लिए गए इस निर्णय में प्रभावित कार्यालयों के कर्मचारियों को उसी जिले के अन्य राजस्व सर्किलों में स्थानांतरित करना शामिल है। हालांकि, कई स्थानीय लोगों को चिंता है कि बंद होने से आवश्यक राजस्व-संबंधी सेवाओं तक पहुंच में काफी बाधा आ सकती है, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी समुदायों के लिए। बंद होने वाले राजस्व सर्किल कार्यालयों की सूची कई जिलों में फैली हुई है। इनमें बाजाली जिले का सरूपेटा राजस्व सर्किल कार्यालय और बरपेटा जिले के बाघबर और सरथेबारी कार्यालय बंद होने वाले हैं। यह निर्णय बंगाईगांव जिले के डांगटोल और मानिकपुर, बिश्वनाथ के हलेम और चराइदेउ के सापेखाइती तक फैला हुआ है। इसी तरह, दरंग जिले के -शेष पृष्ठ दो पर

वायनाड लोस उपचुनाव के लिए प्रियंका ने दाखिल किया नामांकन

वायनाड। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने स्थानीय नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पर्चा भरा था। नामांकन पर्चा भरने के बाद उन्होंने अपने भाई राहुल गांधी के साथ एक रोड-शो किया। बता दें कि वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी का सामना भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से होने वाला है। राहुल गांधी के अलावा प्रियंका के -शेष पृष्ठ दो पर

उपचुनाव : विरोध के बीच गौरव गोगोई ने तंजील के लिए प्रचार किया

नगांव। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बुधवार को आगामी उपचुनाव के लिए सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील हुसैन के साथ सामगुरी विधानसभा क्षेत्र में प्रचार किया। हालांकि, रैली को प्रतिरोध का सामना करना पड़ा और ग्रामीणों के एक समूह ने विरोध में *वापस जाओ* के नारे लगाए। इस झटके के बावजूद, गोगोई का समर्थन 13 नवंबर को होने वाले चुनावों में असम के सबसे युवा विधायक बनने के लिए तंजील की कोशिश का संकेत है। गोगोई ने असम के पूर्व मंत्री वृंदावन गोस्वामी से भी मुलाकात की, जहां उन्होंने असम के परिदृश्य को आकार देने वाली विविध राजनीतिक विचारधाराओं के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। राजनीतिक मतभेदों की स्वाभाविक उपस्थिति को स्वीकार करते हुए गोगोई ने विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान करने के महत्व पर बल दिया तथा कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

इलाहाबाद हाईकोर्ट में मुस्लिम पक्ष को झटका, रिकॉल की अर्जी खारिज

मथुरा। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को मुस्लिम पक्ष की रिकॉल पर अपना फैसला सुनाया और रिकॉल की अर्जी खारिज कर दी है। 11 जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष ने रिकॉल अर्जी दायर की थी। रिकॉल की अर्जी 15 याचिकाओं को लेकर दाखिल हुई थी। इससे पहले 16 अक्तूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रखा था। बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सभी 15 वाद को हाईकोर्ट एक साथ सुनवाई करेगा। मुस्लिम पक्ष की सभी वाद को -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम एकनाथ शिंदे फिर कामख्या मंदिर पहुंचे

गुवाहाटी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे देश के प्रसिद्ध शक्ति पीठ कामाख्या मंदिर के दर्शन के लिए असम के दौरे पर हैं। गुवाहाटी पहुंचने के बाद उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बात की और कहा कि मैं यहां मां कामाख्या के दर्शन के लिए आया हूं। उनका आशीर्वाद लूंगा। कामाख्या मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद शिंदे ने कहा कि मैं पिछली बार भी यहां आया था। मैं सरकार बनने से पहले और सरकार बनने के बाद भी यहां आया था। इस बार भी मैं यहां आया हूं। लोग हमारे द्वारा किए गए काम के आधार पर महायुति को वोट देंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी-जिनपिंग ने पांच साल बाद की द्विपक्षीय मुलाकात

विवादों को दूर करने तथा मिलकर आगे बढ़ने पर बनी बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आज रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की जोकि मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद उत्पन्न होने के बाद उनकी पहली संरचित बैठक है। हम आपको बता दें कि दोनों नेताओं की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब दो दिन पहले ही भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त करने के समझौते पर सहमति जताई थी। यह चार साल से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। हम आपको बता दें कि वैसे तो दोनों नेता विभिन्न वैश्विक मंचों पर अनौपचारिक मुलाकात करते रहे हैं लेकिन दोनों के बीच द्विपक्षीय स्तर की बातचीत पांच साल के अंतराल पर हुई है। माना जा रहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत और चीन को करीब लाने का प्रयास काफी समय से कर रहे थे। द्विपक्षीय वार्ता से पहले मोदी को जिनपिंग और पुतिन के साथ जाते हुए देखा गया था। हम आपको बता दें कि पिछले वर्ष अगस्त में भी भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जोहानिसबर्ग में एक संक्षिप्त और अनौपचारिक बातचीत की थी। इससे पहले नवंबर 2022 में मोदी -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने एलएसी पर बनी सहमति को लेकर केंद्र से पूछे सवाल

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने भरोसा व्यक्त किया है कि भारत-चीन के बीच 2020 में पैदा हुए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) संबंधित विवाद का केंद्र सरकार सम्मानजनक हल निकालेगी। साथ ही विवाद समाधान को लेकर अस्पष्टता की बात कहते हुए सवाल खड़े किए। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने बुधवार को वक्तव्य जारी कर कहा कि एलएसी पर पेट्रोलिंग व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौते की घोषणा को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

50 पैसे न लौटाना डाक विभाग को पड़ा महंगा

उपभोक्ता आयोग ने दिया 15000 रुपए का भुगतान करने का आदेश

चेन्नई। कांचीपुरम जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने हाल ही में *इंडिया पोस्ट* को आदेश दिया कि वह एक उपभोक्ता को 50 पैसे वापस करे और उसे मानसिक पीड़ा देने, अनुचित व्यापार व्यवहार और सेवा में कमी के लिए 10 हजार रुपए का मुआवजा दे। इसके अलावा मुकदमेबाजी के लिए 5,000 रुपए का भी भुगतान करे। यह मामला तब हुआ, जब उपभोक्ता माणशा ने पिछले साल 13 दिसंबर को पोझिचलूर पोस्ट ऑफिस में एक पंजीकृत पत्र के लिए 30 रुपए नकद दिए। लेकिन रसीद में सिर्फ 29.50 रुपए ही दिखाए गए। माणशा ने बताया कि उन्होंने यूपीआई के जरिए सही राशि जमा करने की कोशिश की थी। लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि लाखों का लेन-देन रोजाना होता है और इनका सही ढंग से हिसाब न रखने से सरकार को नुकसान पहुंच सकता है। माणशा ने कहा कि इस स्थिति ने उन्हें गंभीर मानसिक पीड़ा का सामना करने के लिए मजबूर किया। इंडिया पोस्ट ने अपने बचाव में कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण उस समय डिजिटल भुगतान स्वीकार नहीं किया गया था। इसलिए नकद लिया गया। उसने यह भी कहा कि 50 पैसे की राउंडिंग पोस्ट सॉफ्टवेयर द्वारा ऑटोमैटिकली किया गया था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग ने सुनवाई के बाद कहा कि पोस्ट ऑफिस द्वारा अतिरिक्त पचास पैसे लेना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत असमान व्यापार प्रथा का उदाहरण है। आयोग ने इंडिया पोस्ट को उपभोक्ता को पचास पैसे लौटाने का आदेश दिया। इसके अलावा, उसे मानसिक पीड़ा देने के लिए 10 हजार रुपए का मुआवजे के साथ-साथ 5,000 रुपए कानूनी खर्च के रूप में देने का आदेश दिया।

मिजोरम में हवाई अड्डा वायुसेना को देने पर विवाद

एजल। मिजोरम के लेंगपुई हवाई अड्डे को भारतीय वायुसेना को सौंपने का विरोध हो रहा है। अब मिजोरम की मुख्य विपक्षी पार्टी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) के अध्यक्ष जोरमथांगा ने कहा है कि उनकी पार्टी राज्य के एकमात्र हवाई अड्डे लेंगपुई को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) को सौंपने की किसी भी योजना का विरोध करेगी। मंगलवार को एमएनएफ ने अपनी 63वीं वर्षगांठ मनाई। इस दौरान पार्टी मुख्यालय में बोलते हुए पूर्व सीएम जोरमथांगा ने कहा कि लेंगपुई हवाई अड्डा राज्य के अस्तित्व और अन्य क्षेत्रों के साथ संपर्क का स्रोत रहा है। अगर सरकार लेंगपुई हवाई अड्डे को भारतीय वायुसेना या अन्य एजेंसियों को सौंपने पर विचार करती है, तो एमएनएफ अंत तक इसका विरोध करेगी। हवाई अड्डे को किसी भी कीमत पर दूसरों को नहीं दिया जा सकता है। गौरतलब है कि बढ़ते विरोध के चलते मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा है कि राज्य सरकार ने लेंगपुई हवाई अड्डे को भारतीय वायुसेना को सौंपने पर अभी तक फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा था कि हवाई अड्डे को भारतीय वायुसेना या निजी एजेंसियों को सौंपने की व्यवहार्यता का अध्ययन किया जा रहा है। इस काम के लिए गठित कार्य समिति वर्तमान में मामले का आकलन कर रही है और इसकी रिपोर्ट आगामी मंत्रिमंडल की बैठकों में पेश की जाएगी। लेंगपुई हवाई अड्डा, मिजोरम का एकमात्र हवाई अड्डा है और यह देश का एकमात्र हवाई अड्डा है, जिसका स्वामित्व राज्य सरकार के पास है।

हाउली में हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले में हाउली में पुलिस हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि हाउली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर हाउली में रास मंदिर के पास छापा मारा और हेरोइन के साथ तस्कर को पकड़ने में कामयाब रही। गिरफ्तार तस्कर की पहचान आदम बाजार के रफीकुल इस्लाम (30) के रूप में हुई है। इस अभियान का नेतृत्व हाउली थाना प्रभारी राजीव नेओग ने किया। उप-निरीक्षकों देबाशीष कश्यप और डिकी तालुकदार के साथ एक टीम ने छापामारी के दौरान संदिग्ध हेरोइन से भरे 24 प्लास्टिक कंटेनर जब्त किए। आरोप है कि रफीकुल इस्लाम लंबे समय से इलाके में नशे का कारोबार चला रहा था।

तिरंदाजों को विद्या भारती ने किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। राजस्थान के बांसवाड़ा स्थित मंडेश्वरी विद्या निकेतन में 14 से 17 अक्तूबर तक आयोजित विद्या भारती की 35वीं राष्ट्रीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के 4 खेल विद्यार्थियों ने भाग लिया और सभी विद्यार्थियों ने पदक जीते। शिशु शिक्षा समिति असम के पब्लिसिटी हेड मुकुटेश्वर गोस्वामी, शंकरदेव शिशु निकेतन, चेरिंग छात्र संगीत प्रियम नाथ, शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन, बेलतला के छात्र धृतसिंह शर्मा और देबजीत नाथ और लंबोदर बरगोहाईं, शंकरदेव विद्या निकेतन, दीमू के छात्र देबर्षि बूढ़ागोहाईं ने कांस्य पदक जीता। इनमें से शंकरदेव शिशु निकेतन, चेरिंग के छात्र प्रियम नाथ टीम गेम्स में चौथे स्थान पर रहे और एसजीएफआई में खेलने के लिए चुने गए। वरिष्ठ प्रचारक योगेंद्र सिंह सिसोदिया, समिति के महासचिव जगन्नाथ राजवंशी और संयुक्त प्रांतिक ज्योति गोगोई ने आज शिशु शिक्षा समिति, असम राज्य कार्यालय, गुवाहाटी में इस पदक को प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को बधाई दी।

राज्यभर में श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव की व्यापक तैयारियां

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यभर में श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव आयोजन की तैयारियां जोरों पर हो रही है। राज्य के माजुली, बरपेटा, नलबाड़ी, कामरूप (ग्रामीण), शिवसागर समेत विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर रास महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हमारे शिवसागर संवाददाता के अनुसार शिवसागर के धिताईपुखुरी में श्री श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां चल रही है। श्रीकृष्ण रासलीला महोत्सव 21 और 22 नवंबर को शिवसागर जिले के धिताईपुखुरी सहित में आयोजित किया जाएगा। संग्रामी युवा छात्र परिषद की शिवसागर जिला समिति की पहल पर मनाए जाने वाले इस रास महोत्सव के अखाड़ों में कलाकार रिहर्सल आदि कर रहे हैं। बाललीला से महारास तक के अखारों में किशोर, युवतियां, बहुएं आदि सभी तैयारियां कर रहे हैं। ज्ञात हो कि राज्य में रासलीला का आयोजन मुख्य तौर पर प्रतिमा बनाकर किया जाता है। हालांकि, कुछ स्थानों पर सजीव रासलीला का भी मंचन अब होना आरंभ हुआ है। आमतौर पर रासलीला प्रतिमाओं के जरिए ही होता है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के रंगिया में हुई एक सड़क दुर्घटना में साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात रंगिया के मरानजान इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर ई-रिक्शा और साइकिल के बीच हुए आमने-सामने की टक्कर में साइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कमलपुर निवासी शंभू कलिता (60) के रूप में की गई है।

शोषण करने के लिए विपक्ष ने किया गठबंधन : भबेश कलिता

कामरूप (हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता ने विपक्षी दलों द्वारा अपनाए गए रुख की आलोचना की है। विपक्ष के गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष गठबंधन के जरिए शासन अपने हाथ में लेना चाहता है ताकि वह इसके जरिए लोगों का शोषण कर सके। कालिता ने कहा कि विपक्ष 2016 से पहले के असम और आज के असम को भूल गया है। कलिता ने कामरूप के बोर्का में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। नियुक्तियों पर भबेश कालिता ने कहा कि इससे पहले कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों ने अपने घरों में नौकरी पाने वालों की सूची बनाई थी। उन्होंने मेधा के आधार पर नियुक्ति नहीं की थी। उन्होंने मुन्ना भाई एसीएस और मुन्ना भाई एपीएस बनाया। वर्तमान भाजपा सरकार ने मेरिट के आधार पर नौकरियां दी हैं।

पृष्ठ एक का शेष

जनसांख्यिकीय अखंडता की...

लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने झारखंड की पहचान में हिंदू संस्कृति के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राज्य का अस्तित्व इसकी हिंदू आबादी को बनाए रखने पर टिका है। उन्होंने कहा कि यह किसी को विधायक या मुख्यमंत्री बनाने के बारे में नहीं है; यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि झारखंड अपनी सांस्कृतिक विरासत को बरकरार रखते हुए जीवित रहे। आगामी चुनाव को उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई के रूप में पेश करते हुए, शर्मा ने मतदाताओं से भाजपा के पीछे एकजुट होने का आग्रह किया, तथा चुनाव को राज्य के भविष्य की सुरक्षा के लिए निर्णायक क्षण बताया।

सरकार बनने पर ...

राम या कृष्ण के नाम पर किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर झारखंड में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है तो हुसैनाबाद प्रखंड को जिला बनाया जाएगा। साथ ही इसका नामकरण भगवान राम या कृष्ण के नाम पर होगा। उन्होंने एक और बड़ा एलान किया। शर्मा ने कहा कि सरकार बनने पर झारखंड से घुसपैठियों को बाहर निकालना भाजपा की प्राथमिकता होगी। हिमंत विश्व शर्मा ये बयान पलामू जिले में दिया है। वो जपला मैदान में हुसैनाबाद विधानसभा सीट से प्रत्याशी कमलेश सिंह के लिए चुनावी रैली को संबोधित करने पहुंचे थे। रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की वजह से झारखंड की डेमोग्राफी बदल रही है। मगर, सरकार में बैठी झारखंड मुक्ति मोर्चा इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है। इसकी वजह ये है कि बांग्लादेशी घुसपैठिए उनका वोट बैंक हैं। असम के सीएम ने कहा कि सरकार बनने पर घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकालना भाजपा की प्राथमिकता है। हम राज्य से बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के लिए एनआरसी लागू करेंगे। बता दें कि राज्य की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को दो चरण में वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

जेएमएम वंशवाद की...

सदस्यीय विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले की बरहेट (सुरक्षित) विधानसभा सीट से विधायक हैं। उन्होंने 2019 के विधानसभा चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साइमन माल्टो से 25,740 मतों से यह सीट जीती थी। आगामी विधानसभा चुनाव में भी सोरेन इसी सीट से किस्मत आजमाएंगे। सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय सीट पर उपचुनाव में भाजपा के दिलीप कुमार वर्मा को 27,149 मतों से पराजित किया था। यह सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे से रिक्त हुई थी। बसंत सोरेन ने झामुमो का गढ़ माने जाने वाली दुमका सीट से भाजपा के पूर्व मंत्री लुईस मरांडी को 6,842 से अधिक मतों से हराया था। उनके बड़े भाई हेमंत सोरेन ने यह सीट खाली की थी, जिन्होंने दिसंबर 2019 के विधानसभा चुनाव में दुमका और बरहेट दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी और बाद में उन्होंने बरहेट सीट को अपने पास रखने का फैसला किया था। हेमंत सोरेन ने दुमका में मरांडी के खिलाफ 13,188 मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। बता दें कि झारखंड की 43 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गई और यह 25 अक्तूबर तक जारी रहेगी। पहले चरण के तहत इन सीट पर 13 नवंबर को मतदान होना है। चुनावों में कुल 2.60 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं, जिनमें 11.84 लाख पहली बार के मतदाता, 1.13 लाख दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी), थर्ड जेंडर और 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं।

हमें आतंकवाद और ...

(संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) और डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) जैसे संगठनों में सुधार के लिए समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने कहा कि ग्लोबल साउथ की आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। आज ब्रिक्स विश्व को सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा दे रहा है। मेरा मानना है कि समावेशी मंच के रूप में ब्रिक्स हर मुद्दे पर सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। भारत नए देशों का ब्रिक्स पार्टनर कंट्री के रूप में स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी फैसले सर्वसम्मति से होने चाहिए और ब्रिक्स के फाउंडिंग मेंबर के विचारों का सम्मान करना चाहिए। जोहान्सबर्ग समिट में जो गाइडिंग प्रिंसिपल्स, मानदंड और प्रक्रियाओं को हमने अपनाया था, उनका पालन सभी सदस्य और पार्टनर देशों को करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हमें ध्यान रखना चाहिए कि इस संगठन की छवि ऐसी न बने कि हम ग्लोबल संस्थाओं में बदलाव नहीं, बल्कि उन्हें रिप्लेस करना चाहते हैं। वाइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट और अपनी त्र-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने इन देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर रखा है। पीएम ने कहा, मुझे खुशी है कि ब्रिक्स के अंतर्गत भी इन प्रयासों को बल मिल रहा है। पिछले साल अफ्रीका के देशों को ब्रिक्स से जोड़ा गया। इस साल भी रूस द्वारा अनेक ग्लोबल साउथ के देशों को आमंत्रित किया गया है। विभिन्न प्रकार के विचारों और विचारधाराओं के संगम से बना ब्रिक्स समूह आज विश्व को सकारात्मक सहयोग की दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है। हमारी विविधता, एक दूसरे के प्रति सम्मान और सर्वसम्मति से आगे बढ़ने की परंपरा, हमारे सहयोग का आधार है।

राज्य सरकार ने 27...

पथोरीघाट और पब मंगलदै, धेमाजी के गोगामुख और धुबड़ी के अगोमोनी और चापर भी प्रभावित होंगे। अतिरिक्त बंदी में डिब्रूगढ़ (पश्चिम) कार्यालय, ग्वालपाड़ा में रोंगाजुली, गोलाघाट में खुमटाई, हैलाकांदी में अल्गापुर और लाला और पश्चिम जोरहाट शामिल हैं। कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले में चंद्रपुर राजस्व सर्कल कार्यालय बंद होने वाला है, जबकि कामरूप जिले में उत्तर गुवाहाटी, कायन, छयगांव, नगरबेरा और चमरिया में बंद रहेगा। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में करीमगंज जिले में बदरपुर, लखीमपुर जिले में कदम और सुबनसिरी, माजुली में उजानी माजुली और मोरीगांव में मिकिरभेटा और भूरागांव शामिल हैं। नलबाड़ी जिले में पश्चिम नलबाड़ी, घोघरापार, बरभाग और बानेकुची बंद रहेंगे, साथ ही दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में आमगुरी, शिवसागर और दक्षिण सालमारा में अतिरिक्त बंदी रहेगी। इन कार्यालयों को बंद करने के आधिकारिक निर्देश ने जनता की ओर से कड़ी प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं, जिनमें से कई लोगों को उन सेवाओं तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी की यात्रा की संभावित आवश्यकता के कारण असुविधा बढ़ने की आशंका है जो कभी स्थानीय रूप से उपलब्ध थीं। आलोचकों का तर्क है कि यह कदम ग्रामीण आबादी को असंगत रूप से प्रभावित करेगा, जो पहले से ही रसद संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, और राजस्व-संबंधी सेवाओं तक पहुंचने में देरी को बढ़ा सकता है।

वायनाड लोस उपचुनाव ...

इस रोड शो में उनकी मां सोनिया गांधी और पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद रहे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी इस रोड शो में शामिल हुए। रोड-शो में प्रियंका गांधी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि पिछले 35 सालों से मैं अलग-अलग चुनावों के लिए प्रचार कर रही हूं। यह पहली बार है जब मैं आपके समर्थन की मांग अपने लिए कर रही हूं। यह एक बहुत ही अलग एहसास है। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे वायनाड से उम्मीदवार बनने का सौभाग्य दिया। उन्होंने आगे कहा कि सत्य और अहिंसा ने मेरे भाई (राहुल गांधी) को एकता और प्रेम के लिए देशभर में 8000 किमी पैदल चलने के लिए प्रेरित किया। जब पूरी दुनिया उनके खिलाफ थी, तब आप उनके साथ खड़े थे। मेरे भाई को लड़ने के लिए आपलोगों ने साहस दिया। मेरा पूरा परिवार आपका कर्जदार है। मुझे मालूम है कि उसे (राहुल गांधी) आपलोगों को छोड़ना पड़ा और मैं आपसे वादा करती हूं कि मैं आपके और उसके बीच के संबंधों को मजबूत करूंगी। उन्होंने मुझे बताया कि आप किन बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मेरे भाई ने मुझे बताया कि आपलोगों की क्या तकलीफ है। मैं आपके घर आना चाहती हूं और आपसे सीधे समझना चाहती हूं कि आपकी समस्याएं क्या हैं और हम उनसे कैसे निपट सकते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी रोड-शो को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वायनाड देश का ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां से दो सांसद हैं, एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। वायनाड भूस्खलन में जान गंवाने वालों को राहुल और प्रियंका गांधी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रियंका गांधी के नामांकन पर कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने कहा कि आप जो ऊर्जा यहां देख रहे हैं, यह कुछ ऐसा है, जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे। हम चाहते थे कि प्रियंका गांधी किसी भी सीट से चुनाव लड़े, लेकिन हमने कभी ऐसा नहीं सोचा था कि किस्मत हमारे पास चलकर आएगी। हम सभी उत्साहित हैं। हर तरफ उत्साह है। यह वायनाड और केरल के लिए दोहरा सौभाग्य है, क्योंकि इसे अब स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा- प्रियंका गांधी वाड्रा, लोकसभा की सदस्य, वायनाड, केरल। भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास ने कांग्रेस को पहले ही कड़े मुकाबले की चुनौती दे चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि आगामी उपचुनाव में प्रियंका गांधी को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।

उपचुनाव : विरोध के ...

विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने असम और देश दोनों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोगोई ने उन अनुभवी राजनीतिक हस्तियों से सीखने की अपनी मंशा पर भी जोर दिया, जिन्होंने वर्षों से राज्य के विकास में योगदान दिया है, तथा भावी नेतृत्व के मार्गदर्शन में अनुभव के महत्व को रेखांकित किया। उनकी टिप्पणियों में असम की समृद्ध राजनीतिक परंपराओं के प्रति सराहना तथा पार्टी संबद्धता की परवाह किए बिना वरिष्ठ नेताओं से अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में ...

अलग सुने जाने की मांग को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। जस्टिस मयंक कुमार जैन के फैसले से हिंदू पक्ष ने राहत की सांस ली है। यह केस शाही ईदगाह मस्जिद का ढांचा हटाने और जमीन का कब्जा देने के साथ-साथ मंदिर के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर दायर की गई थी। यह केस मुगल बादशाह औरंगजेब के काल के शाही ईदगाह मस्जिद से संबंधित है। आरोप है कि शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण भगवान श्री कृष्ण की जन्मस्थली पर बने मंदिर को तोड़ कर किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की ओर से याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन को हिंदुओं का हक बताया गया था। याचिका में शाही ईदगाह मुस्जिद की जमीन पर पूजा करने देने की मांग रखी गई है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने वक्फ एक्ट का हवाला दिया है। मुस्लिम पक्ष की ओर से हिंदू पक्ष की याचिकाओं को कोर्ट से खारिज करने की अपील की है। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि हिंदू पक्ष की याचिकाएं ईदगाह में मालिकाना हक को लेकर सुनवाई योग्य हैं। कोर्ट ने राय दी कि इस मामले पर सुनवाई जारी रहेगी। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की रिकॉल की अर्जी को पूरी तरह से खारिज कर दिया। हाईकोर्ट के फैसले के बाद अब इस मामले पर ट्रायल शुरू हो जाएगा। हिंदू पक्ष का कहना है कि ईदगाह का ढाई एकड़ इलाका पूरी तरह से भगवान श्रीकृष्ण का गर्भगृह है। शाही ईदगाह मुस्जिद कमेटी के पास इस जमीन से जुड़ा हुआ कोई भी रिकॉर्ड या कागजात मौजूद नहीं है।

सीएम एकनाथ शिंदे ...

हमने वो काम शुरू किया जिसे महा विकास अघाड़ी ने रोक दिया था और लोग देख रहे हैं कि विकास तेजी से हो रहा है। हमारी सरकार आम लोगों की है और इसलिए उन्हें इसका लाभ मिलना चाहिए और हमने उसी हिसाब से काम किया है। महाराष्ट्र की जनता महायुति को चुनाव जिताएगी। वहीं शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के कामाख्या मंदिर जाने पर प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि वह वहां जाकर भैंस काट रहे हैं। रात को हमारी नींद खुल गई। वहां से आक्रोश चारों ओर यहां महाराष्ट्र में पहुंच रहा है। इतना भी प्राणी हत्या ठीक नहीं है। मानवता का कोई धर्म है या नहीं। भगवान के नाम पर वह जाते हैं और पशु हत्या करते हैं। इस देश में यह क्या चल रहा है। शिवसेना-यूबीटी नेता ने कहा कि यह कितने बड़े मुख्यमंत्री हैं जहां महात्मा फुले, डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर, प्रबोधनकार ठाकरे जैसे लोग पैदा हुए हैं और सरकार के विरोध में अपना आंदोलन चलाया था। इस महाराष्ट्र में एक राज्य का मुख्यमंत्री जाकर पशु की बलि चढ़ाता है। उधर, असम पहुंचने पर एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के प्रत्याशियों की घोषणा को लेकर कहा कि पहली लिस्ट आई है और दूसरी भी आ जाएगी। फिर चुनाव आ जाएगा फिर चुनाव लड़ेंगे और महायुति बड़े ताकत से जीतेगी। महाराष्ट्र का सीएम बनने के पहले और बाद में भी एकनाथ शिंदे कामाख्या मंदिर के दर्शन के लिए आए थे। एकनाथ शिंदे ने 30 जून 2022 को भाजपा के समर्थन से महाराष्ट्र के सीएम के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद उसी साल नवंबर में कामाख्या देवी के दर्शन के लिए गुवाहाटी पहुंचे थे। ऐसे में एक बार फिस से वे गुवाहाटी आए हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव के लिए शिंदे की पार्टी ने 45 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। एकनाथ शिंदे कोपरी पाचपाखाड़ी सीट से चुनाव मैदान में हैं।

विवादों को दूर करने ...

और शी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति द्वारा जी-20 नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज में एक-दूसरे का अभिवादन किया था और संक्षिप्त बातचीत की थी। हम आपको बता दें कि 5 साल बाद हुई मोदी जिनपिंग वार्ता के दौरान दोनों नेता काफी सहज नजर आ रहे थे। लगभग घंटे तक चली वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न मुद्दों को सामने रखा। चीनी राष्ट्रपति की ओर से भी कहा गया कि दोनों को मिलकर काम करने की जरूरत है और मतभेदों का सही ढंग से हल किया जाना चाहिए। वहीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संबोधन की बात करें तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन विवाद का समाधान शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से करने का स्पष्ट रूप से आह्वान करते हुए कहा कि भारत युद्ध का नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। अपने संबोधन में मोदी ने युद्ध, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर चिंता जताई और कहा कि ब्रिक्स विश्व को सही रास्ते पर ले जाने में सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि हम युद्ध का नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। और जिस तरह हम एक साथ मिलकर कोविड जैसी चुनौती से पार पाने में सक्षम हुए, उसी तरह हम भावी पीढ़ियों के वास्ते सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में निश्चित रूप से सक्षम हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई *दोहरा मापदंड* नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आतंकवाद और इसके वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए, हमें सभी के एकनिष्ठ, दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है। इस गंभीर मामले पर दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है। साथ ही मोदी ने कहा कि समूह के देशों को युवाओं में कट्टरपंथ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र में व्यापक समझौते के लंबित मुद्दे पर मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह हमें साइबर सुरक्षा, सुरक्षित और संरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमन के वास्ते काम करने की आवश्यकता है। मोदी ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। मोदी ने कहा कि जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों द्वारा अनुपालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा कि हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। मोदी ने कहा कि जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहे हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना चाहिए कि इस संगठन की छवि ऐसी न बने कि यह वैश्विक संस्थानों को बदलने की कोशिश कर रहा है, बल्कि यह समझा जाए कि यह संगठन उन्हें सुधारने की इच्छा रखता है। मोदी ने यह भी तर्क दिया कि *ग्लोबल साउथ* के देशों की आशाओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

कांग्रेस ने एलएसी पर ...

लेकर कई सवाल बने हुए हैं। अब जब चीन के साथ समझौता हुआ है तब सरकार को देश के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या भारतीय सैनिक डेपसांग में हमारी दावे वाली लाइन से लेकर बॉटलनेक जंक्शन से आगे के पांच पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक पेट्रोलिंग करने में सक्षम होंगे, जैसा कि वे पहले करने में सक्षम थे? क्या हमारे सैनिक डेमचोक में उन तीन पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक जा पाएंगे जो चार साल से अधिक समय से हमारे दायरे से बाहर हैं? क्या हमारे सैनिक पैंगोंग त्सो में फिंगर 3 तक ही सीमित रहेंगे जबकि पहले वे फिंगर 8 तक जा सकते थे? क्या हमारी पेट्रोलिंग टीम को गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में उन तीन पेट्रोलिंग पॉइंट्स तक जाने की छूट है, जहां वे पहले जा सकते थे? क्या भारतीय चरवाहों को एक बार फिर चुशुल में हेलमेट टॉप, मुक्पा रे, रेजांग ला, रिनचेन ला, टेबल टॉप और गुरुंग हिल में पारंपरिक चरागाहों तक जाने का अधिकार दिया जाएगा? क्या वे *बफर जोन* जो हमारी सरकार ने चीनियों को सौंप दिए थे, जिसमें रेजांग ला में युद्ध नायक और मरणोपरांत परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह का स्मारक स्थल भी शामिल था, अब अतीत की बात हो गए हैं? उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच लद्दाख क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तनातनी को समाप्त करने के लिए दोनों देशों सहमति बन गई है। दोनों पक्षों के बीच सीमा क्षेत्र में गश्त करने को लेकर समझौता हो गया है, इससे सैनिक मोर्चे पर आमने-सामने की तैनाती खत्म होगी। राजनयिक और सैन्य स्तर पर पिछले कई महीनों से जारी विचार-विमर्श के आधार पर यह सहमति बनी है। इससे अब भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय वार्ता का भी रास्ता खुल गया है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिक्स यात्रा से पूर्व आयोजित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी थी।

मानव तस्करी : राज्य...

किया है। नाबालिग लड़कियों को आकर्षक भुगतान का वादा करके तस्करी कर लाया गया था, लेकिन उन्हें कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया। वे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की निगरानी में बिहार के दो जिलों से बचाई गई 31 नाबालिग लड़कियों में शामिल थीं। बचाई गई 31 लड़कियों में से अधिकतर असम की थीं, जबकि अन्य पश्चिम बंगाल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब की थीं। बचाव अभियान मिशन मुक्ति फाउंडेशन, नारायणी सेवा संस्थान, शांति पुनर्वास केंद्र, नेपाल, रेस्क्यू एंड रिलीफ फाउंडेशन, पश्चिम बंगाल और चाइल्डलाइन द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। असम से बचाई गई 13 से 17 वर्ष की आयु की लड़कियां बरपेटा, ग्वालपाड़ा और कामरूप जिलों की रहने वाली हैं। मिशन मुक्ति फाउंडेशन के निदेशक वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बचाई गई लड़कियों को आकर्षक रोजगार और गरीबी से मुक्ति का मौका देने का वादा किया गया था, हालांकि वे खुद को शोषणकारी परिस्थितियों में पाती हैं। उन्होंने कहा कि तस्कर, जो ज़्यादातर पीड़ितों के परिचित होते हैं, बेहतर जीवन की उनकी आकांक्षा का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। असम से आदिवासी और अल्पसंख्यक लड़कियों की तस्करी का यह एक परेशान करने वाला चलन है, जिन्हें बहला-फुसलाकर बिहार भर के ऑर्केस्ट्रा में जबरन मजदूरी के लिए बेचा जा रहा है। कमजोर समुदायों के लिए हस्तक्षेप और सुरक्षा की तत्काल जरूरत है, उन्होंने आगे कहा कि कभी-कभी, उन्हें दबाव में ऑर्केस्ट्रा में प्रदर्शन करने के लिए भी मजबूर किया जाता है, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करता है। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष ने मीडिया को बताया कि विभिन्न स्रोतों से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई शुरू की गई थी, और बचाई गई लड़कियों को ज़्यादातर पड़ोसी राज्यों से तस्करी करके लाया गया था। उन्होंने कहा कि ऑर्केस्ट्रा ग्रुप के पांच मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद पीड़ितों को उनके अभिभावकों को सौंप दिया जाएगा। पीड़ितों को कल मेडिकल जांच के बाद बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

तुर्किए में आतंकी...

बम विस्फोट बताया जा रहा है। तुर्की के इंटीरियर मिनिस्टर अली येरलिकाया ने इसे आतंकवादी हमला करार दिया है। तुर्किए के इंटीरियर मिनिस्टर अली येरलिकाया ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म *एक्स* पर बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि तुर्किए एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के खिलाफ एक आतंकवादी हमला किया गया। दुर्भाग्यवश हमारे जवान शहीद हुए हैं और कई लोग घायल हैं। हमले के समय परिसर में मौजूद कर्मचारियों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया और सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया है।

तापमान

अधिकतम	न्यूनतम
27°	22°

कोकराझाड़ में शुरू किया गया जन सुरक्षा अभियान

कोकराझाड़ (हिंस)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय पहल जन सुरक्षा अभियान आज से कोकराझाड़ जिले में आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। 15 अक्तूबर से 15 जनवरी, 2025 तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य पूरे भारत में लोगों को सामाजिक सुरक्षा बीमा तक सस्ती पहुंच प्रदान करना है। इस पहल के तहत प्रमुख कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) शामिल हैं, जो सभी वंचित आबादी को महत्वपूर्ण बीमा कवरेज और पेंशन लाभ प्रदान करते हैं। यह अभियान, जमीनी स्तर पर वित्तीय समावेश और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के एक बड़े राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा है, जो ग्रामीण समुदायों तक आवश्यक वित्तीय सेवाएं पहुंचाएगा।

अपने सहयोगियों को दबाने की राजनीति करती है कांग्रेस : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा ने आरोप लगाया है कि तुष्टिकरण कांग्रेस का एकमात्र राजनीतिक दर्शन है और इसलिए बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाली एआईयूडीएफ ने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। इस पार्टी ने शुरू से ही मुश्किल समय में कांग्रेस को बचाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो एआईयूडीएफ की राजनीति कांग्रेस के लिए मक्का साबित हुई है। एआईयूडीएफ नेतृत्व ने यह कहकर कांग्रेस के सांप्रदायिक चरित्र को उजागर कर दिया है कि वह सामागुड़ी के कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील हुसैन को किसी भी हालत में हारने नहीं देंगे। एआईयूडीएफ प्रमुख ने खुद मीडिया से कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार सामागुड़ी के लोगों से वोट मांगने से पहले कई बार बदरुद्दीन अजमल से मिलने गए थे। कांग्रेस पार्टी ने इस बात से इनकार नहीं किया है। कांग्रेस पार्टी एआईयूडीएफ द्वारा कांग्रेस को दिए गए बिना शर्त समर्थन का भी स्वागत करती है। प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता रंजीत कुमार शर्मा आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में एक बयान में उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने 22 अक्तूबर की रात असम संयुक्त मोर्चा गठबंधन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने सहयोगियों को लिखित रूप से सीपीआईएम उम्मीदवार का समर्थन न करने के अपने फैसले की जानकारी दी है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि यह कांग्रेस के तानाशाही चरित्र को दर्शाता है। कांग्रेस पार्टी अपने सहयोगियों का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हितों के हिसाब से करती रही है। पार्टी हमेशा उन राजनीतिक दलों को प्राथमिकता देती है जो कांग्रेस की बातों में आते हैं। कांग्रेस ने सामागुड़ी सीट पर मजबूत मुकाबला करने के लिए एआईयूडीएफ का रुख किया है। वे वामपंथी दलों और छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को नकारने और उन्हें राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक बनाने की गहरी साजिश में लगे हुए हैं। यह एपीसीसी अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं के बयानों से स्पष्ट है। दूसरे शब्दों में, कांग्रेस ने अपने सभी सहयोगियों को रौंद दिया है और धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे को नवाब बनाने के लिए एआईयूडीएफ का रुख किया है।

मणिपुर में केसीपी (पीडब्लूजी) के छह कैडर गिरफ्तार किया

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जिले के पोरोमपत इलाके से गिरफ्तार कैडरों की पहचान ओइनम अबुंग मैतेई (31), लेइमापोकपम हरि मैतेई (53), याइखोम लुखोई सिंह (32), ओइनम बिजेन मैतेई (25), अथोकपम इनाओबी देवी (38) और मोइरंगथेम इचन देवी (20) के रूप में की गई है। अभियान के दौरान, पुलिस ने तीन लाख 89 हजार रुपएनकद, एक कार और दो मोटरसाइकिल सहित तीन वाहन और कई मोबाइल फोन जब्त किए।

प्रथम वाहिनी एनडीआरएफ की अंतर-बटालियन जोनल स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। चार पूर्वोत्तर राज्यों (असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा) में आपदा और आपदा जैसी स्थितियों से निपटने के साथ-साथ, प्रथम बटालियन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) विभिन्न खेल और पेशेवर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष, प्रथम बटालियन एनडीआरएफ ने 21 से 23 अक्तूबर तक गुवाहाटी के मिर्जा स्टेडियम में आयोजित अंतर बटालियन जोनल लेवल फुटबॉल चैंपियनशिप का आज सफल समापन हुआ। इस आयोजन में 1, 2, 9वीं और 12वीं बटालियन एनडीआरएफ के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन दिनों के रोमांचक माहौल में प्रतियोगियों के मध्य रोमांचक मैचों के बाद 12वीं बटालियन एनडीआरएफ की टीम ने यह चैंपियनशिप जीत ली। चैंपियनशिप के मुख्य अतिथि और संरक्षक प्रथम बटालियन एनडीआरएफ के कार्यवाहक कमांडेंट

पंकज कविदयाल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी, उन्हें ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और सफल आयोजन के लिए सभी प्रबंधन समिति की सराहना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रत्येक ट्रॉफी और पदक कड़ी मेहनत और दृढ़ता का प्रतीक है, जो खिलाड़ियों के लिए स्थायी यादें बनाता है। यह समारोह न केवल उनकी उपलब्धियों का सम्मान करता है बल्कि टीम वर्क, लचीलापन और निष्पक्ष खेल के मूल्यों को भी बढ़ावा देता है।

प्रमोद बोड़ो ने फकीराग्राम मॉडल अस्पताल का किया उद्घाटन

कोकराझाड़ (विभास)। बीटीआर सीईएम प्रमोद बोड़ो ने आज मयनारताल में फकीराग्राम मॉडल अस्पताल का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया, जो क्षेत्र के चिकित्सा बुनियादी ढांचे में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। यह नई सुविधा बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में सभी नागरिकों के लिए सस्ती, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। अपने उद्घाटन भाषण में, सीईएम प्रमोद बोड़ो ने कहा कि फकीराग्राम मॉडल अस्पताल का उद्घाटन बीटीआर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता में एक और कदम है। हमारा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच का हक है, और यह सुविधा हमारे लोगों के लिए एक स्वस्थ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आगे जोर दिया कि फकीराग्राम मॉडल अस्पताल स्थानीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में काम करेगा, आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा और पूरे क्षेत्र में स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करेगा। प्रमोद बोड़ो ने भी अपील की कि हम सब मिलकर एक स्वस्थ और समृद्ध बीटीआर की दिशा में काम करेंगे। बीटीसी के स्वास्थ्य मामलों के कार्यकारी निदेशक अरूप कुमार डे ने कहा कि आज हमारी स्वास्थ्य सेवा यात्रा में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। बीटीआर सरकार न केवल बुनियादी ढांचे में सुधार करने के लिए समर्पित है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि हर व्यक्ति को उसकी जरूरत के अनुसार देखभाल मिले। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ स्वास्थ्य पेशेवरों और बीटीआर सरकार के विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया।

अतीत को संरक्षित कर भविष्य को सुरक्षित रखें शिखर सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। अतीत के आधार पर वर्तमान और वर्तमान के आधार पर भविष्य का निर्माण होता है। एनई फोकस ने आज विरासत को संरक्षित करने की दृष्टि से *अतीत को सुरक्षित कर हमारे भविष्य को संरक्षित रखें* शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन का आधिकारिक उद्घाटन नाबार्ड के सीजीएम लोकेन डेका ने किया। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नाबार्ड सहयोग कर रहा है। नाबार्ड उद्यमियों की मदद करता रहा है, भले ही सीधे तौर पर नहीं। सम्मेलन में प्रसिद्ध लेखक मयूर बोरा, प्रोफेसर डॉ. संगीता गोगोई, गुवाहाटी विश्वविद्यालय के इतिहास की प्रोफेसर प्रो परमिता दास, उद्यमी अभिजीत पुरकायस्थ, लेखक भास्कर बरदलै और पत्रकार पुलिन कलिता ने भाग लिया। पैनल चर्चा का संचालन पुरातत्व विभाग के उप निदेशक नवजीत देउरी और कॉटन कॉलेज के पुरातत्व विभाग के प्रोफेसर मंजिल हजारिका ने किया। सम्मेलन में प्रमुख लेखक मयूर बोरा ने भाग लिया, जिन्होंने सामुदायिक पर्यटन और प्राचीन विरासत संसाधनों के महत्व और संरक्षण के लिए युवा पीढ़ी की भूमिका के बारे में बात की। व्याख्याता डॉ. संगीता गोगोई ने ताई अहोम और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों और समानताओं के बारे में बात की। उद्यमी अभिजीत पुरकायस्थ ने *बाट भाओना* के बारे में जानकारी दी, जो ऐतिहासिक पर्यटन को नया

आयाम दे सकता है। उन्होंने कहा कि शुवालकुची में दुर्गा पूजा के दौरान नवमी को बाट भाओना का आयोजन किया जाता है। यह ऐतिहासिक ग्रामीण पर्यटन के वाहकों में से एक हो सकता है। लेखक भास्कर बरदलै ने लिपि के महत्व, उसकी प्राचीनता पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में भारत पर्यटन के सहायक निदेशक वीएस कुमारन, सामाजिक न्याय एवं महिला अधिकारिता विभाग के निदेशक उत्पल कुमार मोहंती और विभिन्न कॉलेजों के व्याख्याता उपस्थित रहे। सामाजिक न्याय एवं महिला अधिकारिता विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगी। सम्मेलन को एसबीआई द्वारा प्रायोजित किया गया था और असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय के सहयोग से नाबार्ड द्वारा समर्थित किया गया था।

बक्सा सहकारी सम्मेलन सह प्रदर्शनी कल

बाक्सा। सहकारिता विभाग, बीटीसी शुक्रवार को सुबह 10 बजे बाक्सा जिला न्यायालय के सामने बाथौपुरी में फुटबॉल मैदान में बाक्सा सहकारी सम्मेलन सह प्रदर्शनी का आयोजन कर रहा है। यह सम्मेलन बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के भीतर सहकारी समितियों के बीच कृषि पद्धतियों में विविधता लाने के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित किया जाएगा। बीटीसीएलए के माननीय अध्यक्ष कटिराम बोड़ो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि राकेश ब्रह्मा, कार्यकारी सदस्य, बीटीसी, मंटू बोरो, विधान सभा परिषद (एमसीएलए), बीटीसी के सदस्य और विधायक भूपेन बोड़ो मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। पशुपालन विशेषज्ञ डॉ. देबजीत डेका, कृषि विशेषज्ञ डॉ. धृतिरंजन रॉय, मोती विशेषज्ञ रुलेन हजारिका, उद्यमी विकास विशेषज्ञ सुनील ब्रह्मा और बागवानी विशेषज्ञ अकबर अली अहमद विशेषज्ञ वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

एसआईटीए के उपाध्यक्ष ने मदन कामदेव मंदिर और आईआईटी गुवाहाटी में चल रही परियोजना की समीक्षा की

गुवाहाटी। राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए), असम के माननीय उपाध्यक्ष श्री नारायण चंद्र बरकटकी ने मंदिर के जीर्णोद्धार और संरक्षण के संबंध में प्रारंभिक चर्चा के लिए बैहाटा चरियाली, कामरूप, असम में मदन कामदेव मंदिर के पुरातात्विक स्थल का दौरा किया। आईआईटी-गुवाहाटी की योजना आधुनिक तकनीक और साइट पर मौजूद पुरातात्विक साक्ष्यों का उपयोग करके पूरे मदन कामदेव मंदिर का आभासी पुनर्निर्माण करने के साथ-साथ वास्तविक पुनर्निर्माण प्रक्रिया के लिए आभासी छवि प्रदान करने की है। मदन कामदेव मंदिर के आभासी पुनर्निर्माण का मुख्य उद्देश्य मदन कामदेव मंदिर की वास्तुकला विशेषता को समझने में मदद करना है। आभासी पुनर्निर्माण की पूरी प्रक्रिया जैसे नियोजन, डेटा अधिग्रहण और डेटा प्रोसेसिंग आदि से आगे की पुरातात्विक जांच जैसे डेटिंग, बांडिंग सामग्री के बारे में जानकारी, वास्तुशिल्प निर्माण में उपयोग किए जाने वाले अन्य कच्चे माल के लिए नमूने तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे साइट के दस्तावेजीकरण के साथ-साथ भविष्य के शोध कार्य के लिए संरचना तैयार करने में भी मदद मिलेगी। बाद में माननीय उपाध्यक्ष

श्री नारायण चंद्र बरकटकी ने आईआईटी-गुवाहाटी का भी दौरा किया और चल रही परियोजना की प्रगति की समीक्षा की, जिसका नाम है असम की विरासत स्थल का एनोटेटेड एटलस: आईआईटी, गुवाहाटी द्वारा असम के विरासत संरक्षण को शामिल करते हुए कार्यान्वित किया गया एक जीआईएस प्रलेखन (चरण एक)। वे असम की सांस्कृतिक रूपरेखा की एक दृश्य प्रस्तुति बनाने के लिए संयुक्त रूप से परियोजना पर काम कर रहे हैं और डिजिटलीकृत मानचित्र तैयार किए जाएंगे जो इंटरैक्टिव होंगे और क्यूआर कोड का उपयोग करके इस डेटा को सार्वजनिक डोमेन में अपलोड किया जा सकता है। इस परियोजना को राज्य नवाचार और परिवर्तन आयोग (एसआईटीए), असम द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। एनोटेटेड एटलस असम के विरासत स्थलों पर अपनी तरह का पहला होगा। मानचित्रों और एनोटेटेड जानकारी के साथ एटलस का एक मुद्रित संस्करण परियोजना का एक प्रमुख आउटपुट होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 30 जनवरी, 2023 को जनता भवन, दिसपुर में एसआईटीए और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के बीच उक्त परियोजना के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए थे। बैठक में माननीय उपाध्यक्ष श्री नारायण चंद्र बरकटकी ने कहा कि विरासत स्थलों का संरक्षण करना और विरासत केंद्रों को जियो-टैग करना हमारा परम कर्तव्य है, जिसके लिए उन्हें उम्मीद है कि आईआईटी-गुवाहाटी के सहयोगात्मक प्रयासों से इस महत्वपूर्ण परियोजना को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। उपाध्यक्ष ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और पहुंच के बारे में विस्तार से बात की, जो वैश्वीकरण और आधुनिकीकरण के प्रयासों की तीव्र प्रगति के साथ आवश्यक हो गए हैं, जो दुनिया भर में ऐतिहासिक कलाकृतियों और स्थलों को लगातार खतरे में डाल रहे हैं। वर्तमान परियोजना का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल बनाने में मेटावर्स अनुप्रयोगों की क्षमता का पता लगाना है, जिसमें आभासी पुनर्निर्माण, शैक्षिक आउटरीच, वैश्विक पहुंच और स्थिरता शामिल है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि निष्कर्ष डिजिटल युग में सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अभिनव रणनीतियों को विकसित करने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जबकि सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में मेटावर्स अनुप्रयोगों को अनुकूलित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और दिशानिर्देशों पर प्रकाश डाला जाएगा। यह उल्लेख किया जा सकता है कि पहले चरण में शामिल किए गए सभी विरासत स्थलों को सामूहिक रूप से आगे देखा और मैप किया गया है। विरासत स्थलों को साइट की तारीख के आधार पर रंग-कोडित किया गया है, और उनकी प्रचुरता को नोट किया गया है और एक मानचित्र पर नेत्रहीन रूप से दर्शाया गया है। जालुकबारी एलएसी में शामिल किए गए विरासत स्थलों को समूहों में मैप किया गया है जो उनके होने के समय के अनुसार रंग-कोडित हैं। इसके अलावा, जालुकबारी एलएसी में सभी विरासत स्थलों की घटना के घनत्व को प्रदर्शित करने के लिए एक बहुतायत मानचित्र तैयार किया गया है। विरासत स्थल घनत्व का मानचित्रण और दृश्य अभी भी प्रगति पर है, जिसमें नए निष्कर्षों को लगातार डेटाबेस में जोड़ा जा रहा है। डिजिटल डेटाबेस और इंटरेक्टिव मानचित्रों का निर्माण परियोजना का मुख्य आकर्षण है। इन एलएसी में 57 से अधिक स्थलों का दस्तावेजीकरण किया गया है, जिनमें धार्मिक महत्व के स्थल, इंजीनियरिंग चमत्कार, शिलालेख, औपनिवेशिक संरचनाएं और प्राचीर शामिल हैं। श्री देबा कुमार मिश्रा, एसीएस, जिला आयुक्त, कामरूप के साथ-साथ एसआईटीए, आईआईटी-गुवाहाटी और हेरिटेज कंजर्वेशन सोसाइटी ऑफ असम के अधिकारी भी इस यात्रा के दौरान उनके साथ थे।

गौड़ महिला समिति की आम सभा में कई प्रस्ताव पारित

गुवाहाटी (विभास)। गौड़ महिला समिति की एक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष संतोष शर्मा के सभापतित्व में किया गया। जिसमें भावी कार्यक्रमो को लेकर कई प्रस्ताव पारित किए गए। उक्त सभा में समिति के करीब 100 सदस्याएं उपस्थित थीं। सभा में स्थापना दिवस के अलावा अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। सभा की शुरुआत में अध्यक्ष संतोष शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। वहीं मंत्री ज्योति शर्मा ने पिछली सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष स्वाति बासोतिया ने पूरे साल के आय व्यय का लेखा-जोखा सभा के समक्ष रखा। उक्त सभा में सलाहकार कमला लाटा, छाया शर्मा, उमा शर्मा, ममता शर्मा और माया शर्मा ने उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया। गौड़ महिला समिति आगामी 10 नवंबर को अपना स्थापना दिवस मनाने जा रही है। समिति की साधारण सभा में इस आशय का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि गौड़ महिला समिति महानगर के गौड़ ब्राह्मणों की महिलाओं की प्रतिनिधि संस्था है।

लघु उद्योग भारती ने देश की मिट्टी देश का दिया कार्यक्रम का शुभारंभ किया

गुवाहाटी (विभास)। लघु उद्योग भारती पूर्वोत्तर ईकाई ने दीपावली के उपलक्ष्य में एक अनोखी पहल करते हुए देश की मिट्टी देश का दिया कार्यक्रम आयोजित किया। जिसके अंतर्गत ग्राम्य में लघु उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांव में बसे कुम्हार से दिवाली के दीपक बनवाकर उन्हें उचित मूल्य पर खरीद कर वितरण किया। जरूरतमंदों को निशुल्क वितरण के अलावा सक्षम लोगों के लिए सुलभ मुल्य में दिये बिक्री किए गए। गुवाहाटी के नारायण नगर स्थित आलोक भवन के संघ चालक मधुकर लिमए सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन महानगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघचालक गुरु प्रसाद मेधी ने भारत माता के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। अवसर पर उनके साथ असमिया फिल्म सिटी ज्योति चित्रवन के चैयरमेन विद्यासागर बोरा, लघु उद्योग

भारती के राष्ट्रीय सहसचिव आशीष देवड़ा, प्रांतीय अध्यक्ष रवि सुरेका, ग्राम शिल्प प्रकोष्ठ के चैयरमेन अरूप बरपुजारी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम गत चार वर्षों से चलता आ रहा है। इस वर्ष दो लाख दीपक पूरे पूर्वोत्तर में वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कार्यक्रम के चलते ग्राम्य अंचल में रहने वाले कुम्हार को एक साथ उचित मूल्य मिलने पर उनके बीच खुशी की लहर देखी गई। प्रांतीय अध्यक्ष रवि सुरेका ने बताया कि लघु ग्राम्य उद्योग को बढ़ावा देने एवं उनको उनके उत्पाद का उचित मूल्य देने के उद्देश्य से ग्राम्य आंचल में बसे कुम्हार से मिट्टी के दीपक खरीदे गए। इस वर्ष दो लाख दीपक इन कुम्हारों से खरीद कर वितरण करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम के चैयरमेन अरूप बरपुजारी ने कहा कि असम का प्राचीन मिट्टी के बर्तन बनाने वाला समुदाय, कुम्हार मिट्टी के बर्तन और मोमबत्तियां बनाने के पारंपरिक व्यवसाय से अच्छी तरह से परिचित है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में बाजार की चुनौतियों और विभिन्न समुदायों के बिचौलियों की आमद के कारण, असम के विभिन्न हिस्सों में मिट्टी के दिये बनाने का व्यवसाय खतरे में है। परिणामस्वरूप, गांव के कारीगरों का एक बड़ा हिस्सा नौकरियों की तलाश में अपना पारंपरिक व्यवसाय छोड़ चुका है। पिछले चार वर्षों से लघु उद्योग भारती इन ग्रामीण कारीगरों को दिवाली के दौरान बाजार में मदद कर रही है। इसकी शुरुआत पहले वर्ष में एक लाख दिये की बिक्री से हुई, जो बाद के वर्षों में कई लाख तक पहुंच गई। जिससे ये ग्रामीण आत्मनिर्भर हो गए। अब कुलबिल हीरापाड़ा, चापर, धुबरी आदि पूर्ण रूप से मिट्टी के बर्तन उद्योग बन गए हैं। आज के कार्यक्रम में वर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मनोज लुडिया, पूर्व अध्यक्ष बीएल अग्रवाल के अलावा अन्य कई सदस्य उपस्थित थे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ठ अतिथि के कर कमल से उपस्थित कई गणमान्य व्यक्तियों को दीपक के पैकेट प्रदान किए गए। प्रांतीय सचिव विवेक अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

No.DT/G-534/Tourism Fair/2024-25/301 *Dated Kokrajhar the 23rd October '2024*

SHORTNOTICEINVITING TENDER

For the job of designing and decoration of the interiors and facia of the Exhibition Stall of TOURISM DEPARTMENT, Assam along with management of the exhibition stall and production of exhibit materials for] the Bodoland Festival, New Delhi

A. Sealed tender on plain paper affixing non-refundable courtfee stamp of Rs.8.25only(Rupees Eightand Twenty Five Paise)only in two-bid system are invited from reputed firm(s)having experience in designing and management of State/ National exhibitions for Government Departments/Organizations/PSUs for the job of designing and decoration of the interiors and facia of the Exhibition stall of Tourism Department, BTC, Kokrajhar, Assam, along with management of the exhibition stall and production of exhibit materials for the Bodoland Festival on 15th & 16th Nov' 2024 at New Delhi as per the **CRITICAL DATE SHEET** below:

B. CRITICAL DATE SHEET

Sl. No.	Schedule	Start date	Start time	End date	End time
1	Publication of Tender	24/10/2024	10 AM		
2	Tender Purchase	24/10/2024 to 27/10/2024			
3.	Last date for with drawl of bid	27/10/2024			12 Noon
4.	Bid opening (Technical)	27/10/2024			3 PM
5.	Bid opening(Commercial)	**Will be intimated in due course**			
6.	Place of bid opening	**CHD Tourism Office, Kokrajhar**			

C. Tender received after the scheduled time and date for submission of bids will not be accepted. Intending Bidder(s) should submit tenders in to the Tender Box kept in the office of Tourism Department, BTC, Kokrajhar, Assam.

D. If the raise Government holiday on the day of opening of technical bid/financial bid, it will be opened on the next working day, in presence of Bidders or their authorized representative present at that time only.

E. The authority reserves the right to change any of the schedules, indicated in the **Critical Date Sheet**. The Department will not be liable for any delay in submission of the bids(if any)

Sd/-
Director cum CHD
Tourism Department, BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/769

संपादकीय

कश्मीर में लक्षित आतंकवाद

जम्मू कश्मीर में गांदरबल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का चुनाव-क्षेत्र है, जिसके गगनगीर इलाके में आतंकियों ने हमला कर एक डॉक्टर और 6 अन्य कर्मियों, मजदूरों की हत्या कर दी। यह भारत सरकार, संघशासित क्षेत्र की सरकार के लिए पहली, गंभीर चुनौती है। आतंकवाद अपनी समग्रता में ही 'राष्ट्रीय चुनौती' रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं। सरकार ने टीआरएफ को 'आतंकी संगठन' करार दिया है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में वह लश्कर का मुखौटा संगठन है। हमले का मास्टरमाइंड सरगना शेख सज्जाद गुल बताया गया है और वह पाकिस्तान में मौजूद है, लिहाजा साफ है कि लश्कर आज भी कश्मीर में आतंकवाद मचा रहा है। 'स्थानीय जयचंदों' को कुचला क्यों नहीं जा सकता, यह एक सहज सवाल है। बेशक आतंकवाद से जुड़े आंकड़े बहुत कम हुए हैं, लेकिन तीन सालों के दौरान 22 लक्षित हत्याएं फिर भी की गई हैं। इनमें 16 बाहरी, गैर-कश्मीरी, एक कश्मीरी पंडित और 3 अन्य स्थानीय लोगों को मारा गया है। इतने परिवार बर्बाद हुए। जिंदगियां बिखर कर रह गईं। 2024 में अभी तक 12 लोग लक्षित आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं। यह आतंकवाद की ऐसी रणनीति है कि हमले के निशाने तय कर लिए जाते हैं, बाकायदा रेकी की जाती है और फिर एक दिन उन निशानों (या लक्ष्यों) पर हमला बोल दिया जाता है। सभी मृतक एक सुरंग के निर्माण-कार्य में लगे थे। एकमात्र डॉ. शाहनवाज डार को मजदूरों, कर्मियों की सेहत की देखभाल को कुछ ही दिन पहले नियुक्त किया गया था। लक्षित आतंकवाद ने किसी को भी नहीं छोड़ा। जिनकी हत्या कर दी गई, उनमें जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब और बिहार आदि राज्यों के नागरिक भी थे। ऐसा भी लगता है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार भी आतंकियों की आंखों में चुभते हैं, लिहाजा वे भी निशाने पर हैं। गांदरबल हमले को भी जोड़ लें, तब भी इस साल कश्मीर की 48 घटनाओं में कुल 102 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 52 आतंकी भी शामिल हैं। लक्षित आतंकवाद कोई नई प्रवृत्ति नहीं है। बहरहाल इस आतंकी हमले ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारूक अब्दुल्ला के अंतर्मन को इस कदर झकझोरा है कि वह पाकिस्तान पर ही उबल पड़े और बार-बार कहा कि कश्मीर कभी भी पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। यदि पाकिस्तान हमसे दोस्ताना रिश्ते चाहता है, तो यह दरिंदगी बंद करनी पड़ेगी। फारूक को अभी तक 'पाकपरस्त मानसिकता' का राजनेता माना जाता रहा है। अब वह बदले नजर आ रहे हैं, तो शायद इसलिए कि संघशासित क्षेत्र में सरकार उनकी पार्टी की है और उनका बेटा मुख्यमंत्री है। बहरहाल इससे न तो पाकिस्तान बदलेगा और न ही लक्षित आतंकवाद नेस्तनाबूद होगा। अलबत्ता आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई पुख्ता और निरंतर हो सकती है। यह अच्छा है कि सरकार आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के प्रति बेहद संवेदनशील है, लेकिन सभी मुआवजे, नौकरी, पैसा अपर्याप्त हैं, क्योंकि परिवार किसी के चले जाने के बाद बर्बाद हो जाता है।

आतंकवाद अपनी समग्रता में ही 'राष्ट्रीय चुनौती' रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं।

आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

ललित गर्ग

अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रॉजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह कई लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं की। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रेकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे। लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरूद्ध करती है, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती है। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ

अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए। कश्मीर में लम्बे समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे कुछ कर नहीं पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम और मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक तौर पर भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी। गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरूद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता के साथ चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं। क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहुलियतभरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेन्स को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसलें बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है।

दृष्टि कोण

क्यों बेहतर है फिनलैंड में स्कूली शिक्षा?

पंजाब में स्कूल को शिक्षा बेहतर करने के लिए वहां की सरकार लगातार शिक्षकों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भेज रही है। इसी कड़ी में 72 प्राइमरी टीचर्स को ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेजा जा रहा है। 21 दिनों तक शिक्षकों का दल फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था को करीब से परखेगा। फिनलैंड में ट्रेनिंग के लिए 600 शिक्षकों ने ऑनलाइन आवेदन भेजे थे। आवेदन की जांच के लिए चयन समिति गठित की गयी थी। लगभग 6000 अभिभावकों से संपर्क कर चयन समिति ने शिक्षकों के पिछले शैक्षणिक परिणामों की जांच की और उसके आधार पर शिक्षकों को चुना गया। इसके चलते देश के लोगों में फिनलैंड की शिक्षा प्रणाली की खासियत को लेकर जानने की उत्सुकता बढ़ गयी है। आखिरकार फिनलैंड का एजुकेशन सिस्टम कैसा है? इससे हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था क्या कुछ सीख सकती है, इसके मूल ज्ञान की जरूरत है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वे के मुताबिक फिनलैंड शिक्षा की गुणवत्ता के मामले में पहले स्थान पर आता है। यहां का एजुकेशन सिस्टम बाकी देशों की तुलना में एकदम अलग है। यहां दुनिया के सबसे बेहतरीन स्कूल हैं। दरअसल फिनलैंड एक बहुत छोटा सा मुल्क है जिसने पिछले 50 सालों में प्राइमरी शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। फिनलैंड की कामयाबी वहां की स्कूल शिक्षा व्यवस्था बनी है। फिनलैंड एक ऐसा मुल्क है जिसने अपने छात्रों के लिए 16 साल तक शिक्षा सौ फीसदी मुफ्त कर दी है। अगर आप छात्र हैं तो इस मुल्क में पैसों की तंगी आपकी शिक्षा में रुकावट नहीं बन सकती है। यहां छात्रों पर सुबह जबरदस्ती स्कूल जाने का दबाव नहीं होता है, बल्कि वे अपनी मर्जी से खुशी खुशी स्कूल जाते हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि यहां स्कूलों में कोई इम्तिहान नहीं लिया जाता है। छात्रों को क्लास 6 से पहले किसी भी तरह का कोई इम्तिहान नहीं देना पड़ता है। सिर्फ एक स्टैन्डर्ड देश व्यापी इम्तिहान होता है जो 16 साल की उम्र में स्कूल पास करने के बाद ही लिया जाता है। फिनलैंड में शिक्षा में असमानता देखने को नहीं मिलती। यहां के गांव और शहरों की शिक्षा व्यवस्था एक जैसी होती है। फिनलैंड में प्राइमरी शिक्षा प्राइवेट स्कूलों और सरकारी स्कूलों दोनों में एक समान ही है। कमाल की बात है कि मुल्क के 99 फीसदी बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। दूसरी तरफ कोई प्राइवेट ट्यूशन इंडस्ट्री भी नहीं है क्योंकि छात्रों को इसकी जरूरत ही नहीं है। ट्यूशन के बजाय 30 फीसदी छात्रों को नौवीं क्लास तक टीचरों के द्वारा अलग से पढ़ाई में मदद दी जाती है। यहां सरकार की तरफ से स्कूलों को निर्देश हैं कि वो अपने स्कूल के हर छात्र की तालीम पर ध्यान दें बजाए इसके कि सिर्फ चंद टॉपर छात्र पैदा करके स्कूल शिक्षा की मार्केटिंग करें। शिक्षक किसी भी शिक्षा व्यवस्था की सबसे अहम कड़ी होते हैं। इसीलिए फिनलैंड में टीचर बनना सबसे सम्मानित प्रोफेशन माना जाता है। यहां लोग डाक्टर या इंजीनियर नहीं, बल्कि टीचर बनना सबसे शान की बात समझते हैं। सभी शिक्षकों के लिए मास्टर डिग्री होना अनिवार्य है। सिर्फ 10 प्रतिशत लोगों को शिक्षक के तौर पर चुना जाता है जो टॉप ग्रेजुएट रहे हैं। वहीं टीचर एक दिन में सिर्फ 4 घंटे की एक क्लास में पढ़ाते हैं। यहां टीचरों के पास दिन में इतना समय होता है कि वो आपस में मिल बैठकर सिलेबस से जुड़ी बातों पर नई रणनिति तैयार कर सकें। शिक्षकों को सिलेबस का केवल एक मोटा-मोटा खाका ही दिया जाता है और शिक्षक अपने हिसाब से ही तय करते हैं कि वो छात्रों को किस ढंग से पढ़ाएंगे। फिनलैंड की शिक्षा व्यवस्था में परीक्षाएं आयोजित नहीं की जातीं। इस उत्तरी यूरोपीय देश में 'फिनॉमिना लर्निंग' का तरीका शुरू किया गया था। इसमें पारंपरिक विषयों की जगह थीम आधारित प्रोजेक्ट की शिक्षण पद्धति अपनाई गई। इसके तहत छात्र पढ़ाई की पूरी प्रक्रिया की जिम्मेदारी खुद निभाते हैं। डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से छात्रों की किताबों पर निर्भरता खत्म हो गई है। उन्हें किताबों और क्लासरूम से मुक्त कर दिया गया है। फिनलैंड का एजुकेशन सिस्टम स्टूडेंट्स को क्रिएटिविटी के साथ पढ़ाता है। यहां के छात्रों को ऊंचे नंबर या क्लास में नंबर एक आने के लिए नहीं कहा जाता है। इस कारण वहां का छात्र तनावमुक्त है, वहां के अध्यापक कम्पीटीटिव दौड़ के खिलाफ हैं। फिनलैंड में बच्चों को कभी होमवर्क नहीं दिया जाता है। यहां बच्चों को उनके हिसाब से पढने की छूट है। फिनलैंड की बेसिक एजुकेशन पॉलिसी ऐसी है जहां टीचर बच्चे में ऐसी क्षमता पैदा करे कि वो अपना मूल्यांकन खुद-ब-खुद कर सकें। यहां के एजुकेशन सिस्टम की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां के स्कूलों में अमीर घरों के बच्चे और वर्किंग क्लास के बच्चे साथ-साथ पढ़ाई करते हैं।

कुछ अलग

गांदरबल का जख्म

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाचित सरकार की ताजपोशी का जश्न अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि गांदरबल में आतंकियों ने कहर बरपा दिया। गांदरबल में हुए आतंकी हमले में एक सुरंग निर्माण स्थल पर काम करने वाले छह श्रमिकों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि पाकिस्तान भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को नुकसान पहुंचाने की लगातार कोशिश करता रहेगा। चाहे कुछ भी हो, वह अपनी नापाक नीति से बाज नहीं आने वाला। यह कम चिंताजनक बात नहीं कि यह हमला इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच अनौपचारिक बातचीत के कुछ ही दिन बाद हुआ है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान करके लोकतंत्र और शांति-विकास में अपनी गहरे विश्वास को अभिव्यक्त किया था। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने शांतिपूर्ण मतदान व केंद्रशासित प्रदेश में सरकार बनने के बाद अपनी सतर्कता शायद कुछ कम कर दी होगी। कुछ महीनों पहले जम्मू क्षेत्र को लगातार हिंसा का शिकार बनाने वाले आतंकवादियों ने रणनीति बदलकर कश्मीर को फिर से निशाने पर ले लिया है। इन खतरनाक मंसूबों से आतंकवादियों ने सरकार व सुरक्षाबलों को चौंकाया है। इसमें दो राय नहीं कि आतंकवादियों ने यह साजिश सुनियोजित ढंग से की है। जहां इस हमले का मकसद एक बुनियादी ढांचा परियोजना को बाधित करके घाटी के विकास को बाधित करना है, वहीं अन्य राज्यों से आए श्रमिकों की हत्या करके भारतीय संघवाद के ढांचे पर भी चोट करना भी है। ताकि अन्य राज्यों के श्रमिक डर के कारण घाटी न आ सकें। ऐसे हालात में केंद्र तथा केंद्रशासित प्रदेश की सरकार को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिये मिलकर कार्य करने की जरूरत है। निश्चित रूप से केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले पर्यटकों और प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना जरूरी है। यह नई बात नहीं है कि भारत पाकिस्तान को बार-बार आगाह करता रहा है ताकि वह आग से खेलने का काम न करे। बार-बार स्पष्ट किया गया है कि जब तक इस्लामाबाद तथा रावलपिंडी आतंकवदियों को भेजना व मदद करना बंद नहीं करते, तब तक द्विपक्षीय वार्ता शुरू नहीं की जा सकती। हाल ही में एससीओ में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों के रिश्तों में लंबे समय से जमी बर्फ अब पिघलेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने लगभग एक दशक बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की मेजबानी से प्राप्त होने वाले लाभ की संभावना को जल्द ही गंवा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पिछले दिनों यह कहते हुए सुना गया था कि 'हमने पिछले 75 साल खो दिए हैं और यह महत्वपूर्ण होगा कि हम अगले 75 साल न खोएं।' हालांकि यह भी टकसाली सत्य है कि जब तक शरीफ बंधु पाकिस्तानी सेना को भारत में परेशानी पैदा करने से रोकने में असहाय रहेंगे, तब तक दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना मुश्किल ही नजर आएगी। ऐसे में केंद्र व नवनिर्वाचित सरकार को सुरक्षा बलों के साथ आतंकवाद की इस नई चुनौती के खात्मे के लिये नई रणनीति पर काम करना होगा। वैसे कुछ समय पूर्व तक सुरक्षा बलों की सुनियोजित कार्रवाई में जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए थे। लेकिन अब जब विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं तो सहयोग-सामंजस्य व वार्ता के दरवाजे भी खुले रखने पड़ सकते हैं। साथ ही इस संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए कि क्या इन आतंकवादियों के तार सीमा पार से संचालित ठिकानों से तो नहीं जुड़े हैं।

देश दुनीया से

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में 1.71 लाख और 2023 में लगभग 2 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया में सबसे अधिक है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि 41 फीसदी आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, आर्थिक चिंताएं, प्रेम संबंधों में असफलता, नशे की लत और घरेलू हिंसा जैसे कई जटिल कारण शामिल हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार देश में हर दिन 35 से भी ज्यादा स्टूडेंट्स खुद की जान ले रहे हैं।

भारत में युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति केवल एक चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में 1.71 लाख और 2023 में लगभग 2 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया में सबसे अधिक है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि 41 फीसदी आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, आर्थिक चिंताएं, प्रेम संबंधों में असफलता, नशे की लत और घरेलू हिंसा जैसे कई जटिल कारण शामिल हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार देश में हर दिन 35 से भी ज्यादा स्टूडेंट्स खुद की जान ले रहे हैं। यानी हर 40 मिनट में देश का एक स्टूडेंट आत्महत्या कर रहा है। स्टूडेंट सुसाइड की यह गिनती देश में किसानों की आत्महत्या से भी ज्यादा है। यह चौंकाने वाले आंकड़े आईसी-3 कॉन्फ्रेंस और एक्स्पो 2024 के दौरान जारी 'स्टूडेंट सुसाइड: एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट' में सामने आए हैं। आईसी-3 इंस्टीट्यूट एक नॉन-प्रॉफिट संस्थान है जो हाई स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्रों पर अध्ययन करता है। यह रिपोर्ट एनसीआरबी के 2021 के डेटा पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में देश में 13089 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं, पिछले 10 सालों में करीब एक लाख छात्रों ने आत्महत्या की है। पेशे के हिसाब से आत्महत्या की दर देखने पर पता चलता है कि दिहाड़ी मजदूरों और नौकरीपेशा लोगों की आत्महत्या की दर क्रमशः 25.6 फीसदी और 9.7 फीसदी है। जबकि बेरोजगारों की आत्महत्या की दर 8.4 फीसदी है। हमारे देश में युवाओं पर मानसिक स्वास्थ्य का बोझ अत्यधिक बढ़ रहा है। सफलता का दबाव, अभिभावकों और शिक्षकों की अपेक्षाएं तथा व्यक्तिगत समस्याएं- जैसे करियर और रिश्तों की चुनौतियां, युवाओं को आत्महत्या के रास्ते पर धकेल रही हैं। इस संक्रमणकालीन अवस्था में, वे अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिसमें अवसाद, एंग्जाइटी और पैनिक डिसऑर्डर प्रमुख हैं। पारिवारिक उपेक्षा और सामाजिक दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को और भी गंभीर बना रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप हताशा और निराशा बढ़ रही है, और कई युवा नशे की ओर बढ़ते जा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति में परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने युवाओं पर नजर रखनी चाहिए। उनसे संवाद करना चाहिए और उनके मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। हाल ही में, 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया, जिसमें विशेषकर महिलाओं के बीच आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई। रिपोर्ट के अनुसार आत्महत्या की घटनाओं में 15 फीसदी महिलाएं शामिल हैं, जिनके पीछे अवसाद और तनाव के कई बाहरी और घरेलू कारण हैं। साइबर बुलिंग भी युवा पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, जिसका मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव हो सकता है। राज्य में भी आत्महत्या के मामलों की संख्या चिंताजनक है। 2020 से 2023 के बीच 3385 लोगों ने आत्महत्या की। इनमें से अधिकांश मामले दांपत्य जीवन में तनाव, वित्तीय चिंताएं, नशीले पदार्थों की लत, बेरोजगारी और पारिवारिक समस्याओं से जुड़े हुए हैं। इस भीषण समस्या का समाधान एक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से ही संभव है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और शिक्षा प्रणाली में सुधार शामिल हैं। सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों को मिलकर काम करना होगा। युवाओं को यह बताना जरूरी है कि उनकी समस्याओं के समाधान मौजूद हैं और वे अकेले नहीं हैं। संवाद के माध्यम से युवाओं को समझाना और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। इसमें पर्याप्त नींद, स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और तनाव कम करने वाली गतिविधियों को शामिल किया जाना चाहिए। अंततः, शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य बनाना भी महत्वपूर्ण है। कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित कर छात्रों को आत्महत्या और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूक किया जा सकता है। एक सामूहिक प्रयास के तहत, सहानुभूति और समर्थन का माहौल बनाना युवाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करेगा। आत्महत्या की रोकथाम के लिए एक ठोस और समर्पित रणनीति के माध्यम से ही हम युवाओं को एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। यदि हम सभी स्तरों पर सहयोग करें, तो हम इस संकट को समाप्त कर सकते हैं और युवाओं को एक स्वस्थ, सकारात्मक भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें समर्थन दें, ताकि वे अपनी चुनौतियों का सामना कर सकें और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकें। अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर बिना वजह का दवाव नहीं बनाना चाहिए।

आप का नजरीया

कुछ तो बर्फ पिघली

यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे है। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। कूटनीतिक हलकों में संभावना जतायी जा रही है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये एक मंच तैयार कर दिया है। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नये देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई। अतीत में देश ने चीनी हठधर्मिता के कई मामले देखे भी हैं। एक ओर चीन बातचीत से समस्या के समाधान की दुहाई देता है तो दूसरी ओर एलएसी के निकट बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करता रहा है।

सुकन्या समृद्धि योजना केंद्र सरकार की बड़ी पहल : डॉ. पूनिया

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बॉर्डर एरिया में लोक जागरण और टूरिज्म पर दिया जोर

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा के चुनाव प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं, जिनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और सुकन्या समृद्धि योजना बड़ी पहल है। हरियाणा में लिंगानुपात की समस्या को देखते हुए इन योजनाओं की शुरुआत की गई थी। यह बात उन्होंने यहां सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कही। वे बुधवार सुबह जोधपुर पहुंचे थे। पूनिया ने कहा कि वे इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर बालिकाओं के बैंक खाते खुलवाने का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं। पिछले साल करीब 60 हजार बालिकाओं के खाते खोले गए थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव में व्यस्तता के कारण कार्यकर्ताओं से मिलना नहीं हुआ। अब मालाणी व मारवाड़ दौरे से कार्यकर्ताओं से मिलने की शुरुआत कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले 40 वर्षों से पार्टी और सामाजिक कार्यों से जुड़े रहने के कारण वे लगातार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करते रहे हैं। इस बार दो दिवसीय दौरे पर वे अपने कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। अपने दौरे के पहले दिन रामदेवरा में लोकदेवता रामदेव के दर्शन करेंगे, अगले दिन तनोट माता के दर्शन का कार्यक्रम है। इस दौरे में बॉर्डर एरिया का भी जिक्र किया गया, जहां सीमा क्षेत्र में पार्टी के विचार परिवार के लोग लोक जागरण और बॉर्डर टूरिज्म को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान सीमावर्ती इलाकों में जागरूकता और विकास की योजनाओं पर भी चर्चा की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज जोधपुर दौरे के दौरान सूरसागर के पूर्व विधायक मोहन मेघवाल (भईसा) व सूर्यकांता व्यास (जीजी) के निधन पर उनके निवास स्थान पर जाकर श्रद्धांजलि दी। वे सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी के घर भी गए और उनकी माताजी के निधन पर शोक जताया। पूनिया ने आज जोधपुर पहुंचने पर पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे दिवंगत सूर्यकांता व्यास व मोहन मेघवाल के घर पहुंच उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी की माता के निधन पर भी शोक संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष देवेंद्र सलेचा, जोधपुर जिला देहात दक्षिण जगराम बिश्नोई, राजेंद्र बोराणा, संभाग मीडिया प्रभारी जगदीश धनाडिया, प्रसन्नचंद मेहता, नरेंद्र सिंह कच्छवाहा आदि भाजपा नेता साथ रहे।

हरियाणा में मेट्रो रेल और आरआरटीएस सुविधाएं देने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रयासरत : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि हरियाणा राज्य दिल्ली के साथ सटा है। यहां के लोगों को मेट्रो रेल और रिजनल रैपिट ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) जैसी सुविधाएं देने के लिए डबल इंजन (हरियाणा और केंद्र) की सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में उन्होंने केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के साथ मेट्रो के विस्तारीकरण और आरआरटीएस को स्थापित करने के लिए चर्चा व विचार-विमर्श किया। इसके बाद विभिन्न मेट्रो रेल व आरआरटीएस परियोजनाओं के अध्ययन के लिए केंद्रीय मंत्री ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के साथ हरियाणा में मेट्रो रेल परियोजनाओं व आरआरटीएस परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए आयोजित बैठक के उपरांत पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा दिल्ली के साथ लगता है और यहां पर लोग अपना कारोबार इत्यादि करते है, को मेट्रो रेल और आरआरटीएस की सुविधा देने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की गई और विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट से गुरुग्राम-फरीदाबाद-जेवर एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए आरआरटीएस की संभावनाओं को तलाशा जाएगा। इसका अध्ययन किया जाएगा। इसी प्रकार, दिल्ली के सराय कालेखां से करनाल तक आरआरटीएस, गुरुग्राम से बाढसा के एम्स तक मेट्रो लाइन को जोड़ने पर आज चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा को अवश्य ही इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में लाभ प्राप्त होगा। इस मौके पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने मैट्रो रेल लाईन और आरआरटीएस की सुविधा लोगों को देने के संबंध में कहा कि मैट्रो को गुरुग्राम के पालम विहार से एयरपोर्ट को जोडने पर अध्ययन किया जाएगा और दो अलग अलग लाईनें बिछाने पर भी संभावनाओं को तलाशा जाएगा। उन्होंने बताया कि बहादुरगढ से असौदा मैट्रो लाईन का अध्ययन, बल्लभगढ़ से पलवल, गुरुग्राम के सेक्टर-9 से बाढसा एम्स तथा दिल्ली के ढांसा से बाढ़सा एम्स का अध्ययन, सराय कालेखां से पानीपत तक जाने वाली आरआरटीएस को करनाल तक बढाने का अध्ययन करवाया जाएगा। इसी प्रकार, उन्होंने बताया कि सराय कालेखां से धारूहेड़ा तक जाने वाली आरआरटीएस को बावल व राजस्थान के शाहजहांपुर तक चालू करने पर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

तकनीकी युग में सोशल मीडिया से सावधानी बरते महिलाएं : सोनिया अग्रवाल

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल ने कहा कि तकनीकी युग में महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के प्रति सजग रहते हुए सोशल मीडिया से सावधानी बरतनी होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों में सोशल मीडिया भी एक प्रमुख कारक है। सोनिया अग्रवाल बुधवार को आयोग में प्राप्त उत्पीड़न व घरेलू हिंसा सम्बन्धी शिकायतों की सुनवाई करने गुरुग्राम दौरे पर थी। इस दौरान उन्होंने पुलिस आयुक्त कार्यालय परिसर में गुरुग्राम, भिवानी व हिसार जिले से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस जनसुनवाई में 10 महिलाओं ने अपनी समस्याओं को उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल के सामने रखा। जनसुनवाई के दौरान दो का मौके पर निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष 8 मामलों को संबंधित अधिकारियों को त्वरित रूप से निपटारे के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार व राज्य महिला आयोग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, उनके सम्मान व स्वावलंबन को लेकर काफी सजगता से कार्य किया जा रहा है। महिला उत्पीड़न अभी भी समाज में कलंक के रूप में विद्यमान है। सभी महिलाएं अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति सजग हों, जिससे महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों में वृद्धि न हो। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने विरुद्ध हो रहे अत्याचार के प्रति अपनी आवाज तुरंत उठाएं। समय पर शिकायत न होने से महिलाओं के प्रति अपराध में बढ़ोत्तरी होना स्वाभाविक है।

कांग्रेस विधायक नरेश सेलवाल पर बिजली निगम के उपमंडल अभियंता को धमकाने का आरोप

हिसार (हिंस)। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के उपमंडल अभियंता ने उकलाना के कांग्रेस विधायक नरेश सेलवाल पर धमकी देने के आरोप लगाए हैं। उपमंडल अभियंता ने अपनी शिकायत कार्यकारी अभियंता को भेजी है। कार्यकारी अभियंता को दी शिकायत में उपमंडल अभियंता ने लिखा है कि उनके कार्यालय में 8-10 लोग उनके साथ आए। वह उनसे कुछ पूछते, इससे पहले ही उन्होंने बिना कुछ बातचीत किए विधायक नरेश सेलवाल ने कहा मैं विधायक हूं। दो मिनट में घर बैठा दूंगा, तरीके से रहना सीख लो। उनके साथ आए लोगों ने कहा कि हमारे गांव में आना बिजली वालों को पकड़ कर पिटेंगे, कोई बचाने नहीं आएगा। उनके द्वारा कार्यालय में आकर इस प्रकार की धमकी दी गई है और कार्यालय के माहौल को खराब करने की कोशिश की गई है। उपमंडल अभियंता के अनुसार जब उन्होंने पूछा कि आखिर उन्हें क्यों धमकी दी जा रही है, तो उन्होंने बताया कि एसडीओ ने उनका फोन नहीं उठाया। एसडीओ ने बताया कि वह फलेल एक्सीडेंट केस में पूछताछ के लिए चमारखेड़ा निवासी प्रदीप पुत्र दलबीर सिंह व उनके परिजनों के पास गया हुआ था। ना ही उनके पास विधायक का नंबर सेव था, ताकि वे वापिस कॉल कर लेते। एसडीओ के अनुसार एक प्रतिनिधि के नाते उनका बात करने का तरीका बिल्कुल भी उचित नहीं था। यदि इस प्रकार की घटना कार्यालय में होती रही तो कार्यालय के कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है। कर्मचारियों के साथ कभी भी कोई घटना घट सकती है। एसडीओ द्वारा कार्यकारी अभियंता को भेजे गए पत्र की प्रति मुख्य अभियंता व अधीक्षक अभियंता हिसार को सूचनार्थ भेजी गई है। इस बारे दक्षिण हरियाणा बिजली निगम के उकलाना उपमंडल अभियंता से बात की गई। उन्होंने कहा कि इस पत्र पर उनके साइन हैं। यह भेजा गया पत्र उनके द्वारा लिखा गया है, जो सही है। कार्रवाई के बारे में उन्होंने कहा कि इस पर विभाग को अवगत करा दिया गया है। दो-चार दिन में जो भी होगा उसी उपरांत फैसला लिया जाएगा। पूरे प्रकरण बारे विधायक नरेश सेलवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि वे उपमंडल अभियंता को फोन कर रहे थे, लेकिन वे फोन नहीं उठा रहे थे। जब इस रास्ते से गुजर रहे थे तो उन्होंने उनसे मिलना उचित समझा। कार्यालय आने की अनुमति मांगी तो उन्होंने अनुमति नहीं दी। कहा कि मैं काम में लगा हुआ हूं। मेरा स्टाफ अंदर चला गया और फोन उठाने के लिए कहा तो उपमंडल अभियंता ने कहा कि मैं किस-किस के फोन उठाऊं। विधायक तो आप जैसे 90 हैं। उन्होंने उनसे कहा कि वह जनप्रतिनिधि हैं। जनता की बात को लेकर वह फोन करते हैं, आप फोन उठा लिया करें। इतना कहकर वहां से चले आए।

राजस्थान के विकास में शेखावत की अहम भूमिका : देवनानी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत को उनकी 101वीं जंयती पर पुष्पाजंलि अर्पित की गई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शेखावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शेखावत का स्मरण करते हुए कहा कि जन-जन के हितैषी शेखावत की राजस्थान के विकास में अहम भूमिका थी। वे अच्छे स्टेटसमैन थे। राजस्थान के सर्वागीण विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिये अनेक योजनाएं बनाई और उन्हें राज्य में क्रियान्वित किया। राजस्थान में उनके द्वारा शुरू किए गए अन्त्योदय कार्यक्रम की पूरे देश में सराहना हुई थी। राजस्थान में साक्षरता और औद्योगीकरण को बेहतर बनाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री शेखावत की अहम भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि विरासत, वन्यजीव और गांवों के विषयों पर केंद्रित पर्यटन में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान था। वे ऐसे अद्भुत व्यकितत्व के धनी थे, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं।

बारह संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस ने पकड़ा, एक भारतीय सहयोगी भी गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। भांकरोटा थाना पुलिस ने 12 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की है। पुलिस को इनके पास कई कूटरचित दस्तावेज मिले है। पुलिस ने 12 संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़ा है। इनमें से छह को गिरफ्तार किया है तो वहीं छह नाबालिग एव दिव्यांग को देखभाल के लिए सीडब्ल्यूसी और शिशु गृह में भेजा है। पुलिस ने उनके सहयोगी एक भारतीय को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 6 आरोपितों को कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। डीसीपी पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि 20 अक्तूबर को मुखबिर ने संदिग्ध बांग्लादेशियों की भांकरोटा थाना इलाके में रहने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल, एसीपी बगरू हेमेंद्र शर्मा के सुपरविजन में एक टीम का गठन किया गया। सूचना को लेकर टीम ने उसे तस्दीक किया और 6 संदिग्ध बांग्लादेशी महिला-पुरुष के साथ एक भारतीय सहयोगी को गिरफ्तार किया गया। वहीं परिवार के 6 नाबालिक व दिव्यांग सदस्यों को देख भाल के लिए सीडब्लूसी एवं शिशु गृह भेज दिया गया। सोहाग खान जेडीए फ्लैट में परिवार के साथ रह रहा था। उसके साथ उसकी बहन शबनम पत्नी शगीर अहमद, बेटा मोईन खान, बेटी माहिनरु खान, कोहिनूर और शाहनूर खान तथा पत्नी नसरीन खान रहती है। सोहाग खान पुत्र इंतजार खान के पास भारतीय आधार कार्ड, श्रम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड आदि के साथ बाग्लादेशी पासपोर्ट की फोटोप्रति जिसमें सोहाग नवाज नाम लिखा हुआ है एवं देश बांग्लादेश लिखा हुआ है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने जयपुर में रहकर अपनी सास, पत्नी, बेटा-बेटी सहित अन्य लोगों के भारतीय दस्तावेज तैयार करवा लिए और उनके माध्यम से सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहा है।

नामांकन के समय सपा नेताओं की पुलिस से नोक-झोंक व धक्का मुक्की

फूलपुर का बरसों से रुका विकास फिर से शुरू कराऊंगा : मुज्तबा सिद्दीकी

प्रयागराज (हिंस)। फूलपुर विधानसभा के उप चुनाव में तमाम अटकलों के बीच बुधवार को समाजवादी पार्टी के घोषित उम्मीदवार मुज्तबा सिद्दीकी ने अपना नामांकन जिला कचहरी में किया। उन्होंने दो सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान सपा नेताओं की पुलिस से झड़प और धक्का मुक्की भी हुई। इस मौके पर पत्रकारों से सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने कहा कि बहुत लंबे अरसे से फूलपुर क्षेत्र में विकास कार्य नहीं कराए गए हैं, जो फूलपुर की जनता के लिए घोर संकट बनी हुई हैं। भाजपा शासन में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आरक्षण, महिलाओं, अल्पसंख्यकों सहित पीडीए पर हो रहे लगातार हमले, पेपर लीक जैसे तमाम मुद्दे हैं, जिनसे प्रदेश की जनता निजात पाना चाहती है। वह स्वयं फूलपुर के ही निवासी हैं इसलिए लोंगो का भरोसा बढ़ा है। सपा प्रत्याशी ने कहा कि वह इंडी गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी हैं और समाज के सभी वर्गों के अपार समर्थन से ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे। मुज्तबा सिद्दीकी ने आज दो सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। सराय गनी निवासी मो.वारिस एवं बरियारी निवासी इम्तियाज अहमद को प्रस्तावक बनाया गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री एवं चुनाव प्रभारी इंद्रजीत सरोज, जिलाध्यक्ष गंगापार अनिल यादव, यमुनापार पप्पूलाल निषाद, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, एमएलसी डॉ मानसिंह यादव, विधायकगण श्रीमती विजमा यादव, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल, गीता शास्त्री, पूर्व मंत्री अंसार अहमद सहित पूर्व विधायकगण एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कलेक्ट्रेट में नामांकन करने पहुंचे सपा नेता जबरन इंट्री कर रहे थे। पुलिस ने रोका तो सपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा कर दिया। पुलिस कर्मियों से सपा नेताओं की कहा कि सुनी हो गई और धक्का-मुक्की भी हुई। इस बीच सपा नेताओं ने पुलिस कर्मियों को औकात में रहने की हिदायत दी। इसके बाद पुलिस ने सभी को खींचकर बाहर कर दिया, जबकि, नियमत: नामांकन के समय उम्मीदवार के साथ चार प्रस्तावक ही जा सकते हैं। सपा नेता अमरनाथ मौर्य ने कहा कि ये पुलिस वाले भाजपा के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं। बता दें कि, फूलपुर सीट कांग्रेस के खाते में जाने की चर्चा थी। लेकिन कांग्रेस कमजोर दिखाई दी। सपा अध्यक्ष ने अपना उम्मीदवार बिना वार्ता के घोषित कर दिया। जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी व्याप्त है। सूत्रों की मानी जाए तो अभी मुज्तबा सिद्दीकी का नामांकन वापस कराकर कांग्रेस अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी।

अटाला मस्जिद को लेकर वक्फ बोर्ड पीस कमेटी के प्रार्थना पत्र को सिविल कोर्ट ने किया खारिज

जौनपुर (हिंस)। दीवानी कोर्ट के सिविल जज जूनियर डिविजन ने जौनपुर अटाला मस्जिद पर सुन्नी वक्फ बोर्ड द्वारा दिया गया 37सी प्रार्थना पत्र को सिविल जज जेडी सुधा शर्मा की कोर्ट ने बुधवार को खारिज कर दिया। साथ ही लिखित बयान कमीशन रिपोर्ट की सुनवाई के लिए 16 नवंबर को डेट दिया है। अटाला मंदिर को लेकर कोर्ट में वक्फ बोर्ड और पीस कमेटी बनाम स्वराज वाहिनी ने कोर्ट में एक याचिका डाली थी जिसमें स्वराज वाहिनी ने याचिका में डाली थी जनपद की ऐतिहासिक धरोहर अटाला मस्जिद जो पूर्व में मंदिर था जिस पर वक्फ बोर्ड ने यह शिकायत की थी कि यह मस्जिद वक्फ बोर्ड की संपत्ति है जिसको लेकर यह सुनवाई इस कोर्ट में नहीं हो सकती है। जिस पर सिविल कोर्ट जौनपुर के सिविल जज पर अधिवक्ता सुरेश चंद्र पाठक ने बहस किया। इस मामले में हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से बात करते हुए स्वराज वाहिनी के अधिवक्ता सुरेश चंद्र पाठक ने बताया कि मस्जिद की तरफ से एप्लीकेशन पड़ी थी यह मामला सुनवाई योग्य नहीं है 1991 में जब अयोध्या का विभाजित ढांचा गिराया गया था तो उसे समय नरसिंह राव की सरकार थी 1947 के पहले जो भी धर्म मस्जिद जैसे थे वह वैसे ही रहेंगे उसी के आधार पर मुस्लिम पक्ष ने यह प्रार्थना पत्र दिया था। जिसे कोर्ट ने माना नहीं है। इसलिए नहीं माना कि इस मंदिर से जब हम हिंदू और सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले लोग बेदखल किए गए थे, उस समय से हर घर में अटाला माता की पूजा की जाती है यह वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टी नहीं है क्योंकि उस समय जो भी बाहरी आक्रांता आए थे। उन्होंने आक्रमण किया था। आक्रमणकारी को कोई राइट क्लेम नहीं है जब तक कि उनका उस पर कोई मालिकाना हक न हो। इस आधार पर कोर्ट ने उनकी बात को नहीं माना। कोर्ट ने कहा कि आक्रमणकारी शाहजहां के समय में जहां इनका खतौनी में नाम दर्ज हुआ था, उसमें हमारा मालिकाना हक था। उस समय हमारे यहां खतौनी पर नाम दर्ज करने का कोई प्रावधान नहीं था। शाहजहां के समय में यह व्यवस्था हुई थी उस समय उन लोगों का ही शासन था और सारे इस्लामी राजा थे। बाद में अंग्रेज आए। हमको कभी अवसर मिला नहीं, हम अपने घरों में बैठकर उन्हें देवी का प्रतीक मानकर पूजा करते थे।

राजधानी में गंदगी देख प्रभारी मंत्री ने लगाई फटकार जोनल अधिकारी का वेतन काटने का निर्देश

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने नगर की सफाई व्यवस्था को देखने के लिए औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के चार वार्डो का निरीक्षण किया। इनमें फैजुल्लागंज-2, फैजुल्लागंज-3, अलीगंज तथा लाल बहादुर शास्त्री-2 वार्ड शामिल हैं। प्रभारी मंत्री ने वार्डों में सफाई व्यवस्था को लेकर काफी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने फैजुल्लागंज-3 में निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करते हुए जोनल अधिकारी का वेतन काटने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान फैजुल्लागंज-3 में कसाई बाड़ा, मोहिबुल्लापुर में नालियों की सफाई पर काफी असंतुष्ट होते हुए जोनल अधिकारी को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि नालियों से अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए एवं नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। उन्होंने फैजुल्लागंज-2 वार्ड में रहीमनगर, डुडौली मार्ग व केसर नगर में ढकी नालियों को खुलवाकर उसमें जमे सिल्ट को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। कहा कि संबंधित क्षेत्र के सफाई कर्मी एवं अन्य जिम्मेदार कार्मिक उपस्थित रहकर आज शाम तक सभी नालियों की सफाई करवाएं। इसके साथ ही उन्होंने अलीगंज वार्ड तथा लाल बहादुर शास्त्री-2 वार्ड का भी निरीक्षण किया। श्री खन्ना कहा कि सभी जोनों के जोनल अधिकारी अपने-अपने जोन में नियमित निरीक्षण करें और सफाई व्यवस्था एवं नालियों की सफाई को सुनिश्चित कराएं। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि खाली पड़े प्लाटों को चिन्हित कर उनके मालिकों को नोटिस देकर उनकी बाउंड्री वॉल कराई जाए। उन्होंने कहा कि खाली पड़े प्लाटों पर कूड़ा एवं गंदगियां होती हैं, जिससे बीमारियां फैलती हैं और मच्छर इत्यादि पैदा होते हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए घनी आबादी वाले वार्डों में एंटीलार्वा एवं फांगिग नियमित रूप से कराई जाए। साथ ही शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए जल की गुणवत्ता को भी सुनिश्चित किया जाय। प्रभारी मंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि पूरे नगर निगम में सफाई का माहौल रहे।

लव जिहाद, गौ तस्करी इत्यादि कानूनों का ज्ञान होना जरूरी : विहिप

पूर्णिया (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद के सभी आयामों, युवाओं का आयाम बजरंगदल और महिलाओं का आयाम मातृ शक्ति तथा युवतियों का आयाम दुर्गा वाहिनी की बैठक मंगलवार को रामबाग स्थित शोलट्री होटल में विहिप पुर्णिया जिला अध्यक्ष पवन कुमार पोद्दार की अध्यक्षता एवं जिला सहमंत्री श्री विनीत भदोरिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद कुमार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्णिया जिला अध्यक्ष पवन जी एवं जिला सहमंत्री विनीत भदोरिया जी के कुशल नेतृत्व में पूर्णिया का संगठन अच्छा कार्य कर रहा है। कार्यकर्ताओं को और अधिक टेक्निकली साउण्ड और कानून का ज्ञान होना चाहिए। बहुत ऐसे मामले आते हैं जैसे लव जिहाद, गौ-तस्करी, धर्मान्तरण ये सभी गैर कानूनी कार्य है इसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए कानूनी धाराओं का ज्ञान आवश्यक है। इसके लिए हमलोगों ने विधि प्रकोष्ठ का गठन किया है। उसके सहयोग से इस काम को करना है। सीमावर्ती क्षेत्रों में ये तीनों गैरकानूनी कार्य जोरों से चल रहा है। प्रशासन को भी संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए। श्री आनंद कुमार ने बजरंगदल कार्यकर्ता को बलोपासना केंद्र, साप्ताहिक सत्संग एवं मिलन केंद्र नियमित रूप से चलाने का निर्देश दिया। सेवा का कार्य बनवासी क्षेत्रों में चलाने की आवश्यकता है। महिलाओं में स्वावलंबन के लिए सिलाई, कढ़ाई, मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र नियमित रूप से नि:शुल्क चलते रहना चाहिए। 9 नंबर को बनमनखी गढ़ परिसर स्थित गौशाला में गोपाष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें भाग लेने का निर्देश दिए। कार्यकर्ताओं के सवालों का जबाब देते हुए उन्होंने कहा कि सिर्फ सोसल मीडिया और पेपर में न्यूज डालने से बहुत कुछ नहीं होता है हमें जमीनी स्तर पर संगठनात्मक संरचना खरा कर कार्य करना है। सामाजिक समरसता के लिए जाती वाद से दूर रहना चाहिए। जो जाति को प्रधानता देता है वह जाती वादी संगठन चलावे, वैसे लोगों के लिए विहिप में कोई स्थान नहीं है। धर्मो रक्षित रक्षित: एवं सेवा सुरक्षा और संस्कार के ध्येय वाक्य को आधार मानकर विहिप कार्य करती है। श्री आनंद कुमार अपने दो दिवसीय पूर्णिया प्रवास के दौरान जिला अध्यक्ष श्री पवन कुमार पोद्दार के साथ बनमनखी, जानकी नगर, पूर्णिया नगर का दौरा कर समाज के अनेक प्रबुद्ध लोगों से मिलकर संगठन एवं गौशाला के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए विचार विमर्श किया। विहिप जिला सहमंत्री श्री विनीत भदोरिया ने विहिप पद्धति से बैठक का शुभारंभ एवं समापन किया। इस बैठक में क्षेत्र संगठन मंत्री श्री आनंद कुमार, विहिप पूर्णिया जिला अध्यक्ष श्री पवन कुमार पोद्दार के अलावा जिला कोषाध्यक्ष रंजन कुणाल इत्यादि मौजूद थे।

सरकार ने 70 रुपए प्रति किलो की दर से भारत ब्रांड चना दाल चरण-2 की लॉन्च

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने बढ़ती महंगाई पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने दिपावली से पहले भारत ब्रांड योजना का दूसरा चरण लॉन्च किया है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली-एनसीआर में भारत चना दाल चरण-2 की खुदरा बिक्री शुरू की।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दूसरे चरण की बिक्री की शुरुआत करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को चना दाल 70 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध होगी। वहीं सहकारी नेटवर्क भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) और केंद्रीय भंडार के जरिए साबुत चना 58 रुपये प्रति किलोग्राम और मसूर दाल 89 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेची जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखा किया रवाना

-चना दाल 70 रुपये, साबुत चना 58 रुपये और मसूर दाल 89 रुपये प्रतिकिग्रा पर मिलेगी

जोशी ने इस पहल के दूसरे चरण को पेश करते हुए कहा, ''हम मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत रखे गए अपने भंडार को सब्सिडी वाली कीमत पर बेच रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने सहकारी समितियों को 3 लाख टन चना और 68 हजार टन मूंग आवंटित किया है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने कहा कि यह योजना पूरे देश में लागू हो गई है। इस अवसर पर खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के राज्यमंत्री बी. एल. वर्मा और निमुबेन जयंती भाई बांभणिया भी उपस्थित रहे।

सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ कोई जांच नहीं हुई, क्लीन चिट मिलने की बात गलत : वित्त मंत्रालय

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच को क्लीन चिट मिलने की खबर को केंद्र सरकार ने पूरी तरह से गलत बताया है। वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि माधवी पुरी को क्लीन चिट मिलने की बात तथ्यात्मक रूप से गलत है, क्योंकि इस तरह की कोई जांच की ही नहीं गई थी। दरअसल, मंगलवार को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ लगाए गए तमाम आरोपों की जांच में सरकार को उनके या उनके परिजनों के खिलाफ कुछ भी नहीं मिला है। इसलिए उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है। इस खबर के प्रसारित होने के बाद वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ लगाए गए कथित आरोपों को लेकर कोई जांच नहीं की गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

एक कंपनी की लिस्टिंग से ही बदला मार्केट सेंटिमेंट, पहले दिन ही लक्ष्य पावरटेक के निवेशकों के पैसे डबल

नई दिल्ली। एक दिन पहले मंगलवार को हुंडई मोटर की निराशाजनक मेनबोर्ड लिस्टिंग के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में एक एसएमई कंपनी ने अपने लिस्टिंग से माहौल को काफी हद तक बदल दिया है। बुधवार को शेयर बाजार में सिर्फ एक कंपनी की ही लिस्टिंग हुई है लेकिन इस एक कंपनी के शेयर की शुरुआत ही इतनी धमाकेदार हुई, जिससे मार्केट सेंटिमेंट्स को काफी बूस्ट मिला है। इंजीनियरिंग कंसलटेंसी सर्विस देने वाली कंपनी लक्ष्य पावरटेक ने अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिये बुधवार को स्टॉक मार्केट में जोरदार दस्तक दी। कंपनी के शेयरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर अपर सर्किट पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों की रकम लगभग डबल हो गई। आईपीओ के तहत कंपनी में 180 रुपये की कीमत पर शेयर जारी किए थे। बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 342 रुपये के स्तर पर हुई। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) निर्णय के मुताबिक एसएमई प्लेटफॉर्म पर किसी भी शेयर की लिस्टिंग अधिकतम 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ ही हो सकती है। इसीलिए लक्ष्य पावरटेक के शेयरों की लिस्टिंग भी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 342 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने जोरदार लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में ये शेयर 359.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,851.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,573.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 123.25 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,801.64 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,306.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स में 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 7,535.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत टूट कर 19,421.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भी भारतीय मुद्रा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैस की बढ़त के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में स्थिर रहा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.97 पर रहा।

उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से फिसले निवेशकों को 92 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली।
दिन भर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार के दौरान खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में जगह भी बनाई, लेकिन दोपहर 2 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक एक बार फिर कमजोरी का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा एनर्जी, मेटल, बैंक, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में छोटे और मझोले शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

बुधवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 445.37 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.45 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 92 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

बुधवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,031 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,182 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,751 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 98 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,500 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,461 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,039 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 299.59 अंक की गिरावट के साथ 79,921.13 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण ये सूचकांक 329.04 अंक की कमजोरी के साथ 79,891.68 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की चाल सुधरने लगी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 754.63 अंक उछल कर 425.59 अंक की मजबूती के साथ 80,646.31 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, सेंसेक्स की ये मजबूती अधिक देर तक नहीं टिक सकी। दोपहर 2 बजे के करीब बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 564.33 अंक लुढ़क कर 138.74 अंक की कमजोरी के साथ 80,081.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 93.95 अंक की कमजोरी के साथ 24,378.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी की हालत में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 226.15 अंक की छलांग लगा कर 132.15 अंक की मजबूती के साथ दिन के सर्वोच्च स्तर 24,604.25 अंक तक पहुंच गया। दोपहर 2 बजे तक बाजार में मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा, लेकिन इसके बाद विदेशी निवेशकों ने आक्रामक अंदाज में बिकवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये सूचकांक गिर कर एक बार फिर लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से 168.75 अंक टूट कर 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4.56 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.32 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.11 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.63 प्रतिशत और टीसीएस 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ बुधवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.25 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.55 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.81 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.79 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बुधवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एअर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने 'कोडशेयर' समझौते के विस्तार पर सहमति जताई

सिंगापुर/नई दिल्ली।
टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) ने अपने 'कोडशेयर' समझौते का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके तहत दोनों विमानन कंपनियां अपने नेटवर्क में 11 भारतीय शहरों और 40 अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ेंगी।

एअर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि इस समझौते के विस्तार से यात्रियों को अधिक विकल्प और विस्तारित वैश्विक संपर्क मिलेगा। यह 2010 के बाद से विमानन कंपनियों के बीच 'कोडशेयर' व्यवस्था का पहला व्यापक विस्तार होगा। इससे दोनों एयरलाइंस के ग्राहकों को सिंगापुर और भारत के साथ-साथ अन्य स्थानों के बीच बेहतर यात्रा विकल्प मिलेंगे।

एयरलाइन ने कहा कि 'कोडशेयर' समझौता विमानन कंपनियों को एक-दूसरे की उड़ानों में अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देता है। इस वर्ष 27 अक्टूबर से एअर इंडिया और एसआईए सिंगापुर एयरलाइंस अन्य भारतीय शहरों के बीच एक-दूसरे की उड़ानों पर 'कोडशेयर' करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच उनकी कुल साप्ताहिक सेवाओं की संख्या 14 से बढ़कर 56 हो जाएगी।

एअर इंडिया एयरलाइन के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर एयर के साथ हमारे विस्तारित कोडशेयर की घोषणा से ऑस्ट्रेलिया, सुदूर पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया में सिंगापुर एयरलाइंस नेटवर्क पर 28 अतिरिक्त गंतव्य आपके करीब आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''एअर इंडिया तथा सिंगापुर एयरलाइंस लंबे समय से साझेदार रहे हैं। हमारे 'कोडशेयर' समझौते के इस विस्तारित दायरे के साथ हम अपने मेहमानों को बेहतर संपर्क प्रदान करने को उत्साहित हैं।''

सिंगापुर एयरलाइंस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ली लिक ह्सिन ने जारी एक बयान में कहा कि कोडशेयर व्यवस्था का विस्तार दोनों एयरलाइन कंपनियों के बीच मजबूत सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''यह भारत और सिंगापुर तथा अन्य स्थानों के बीच हवाई यात्रा की उच्च मांग को पूरा करने तथा दोनों विमानन बाजारों के विकास में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ह्सिन ने कहा कि एअर इंडिया के घरेलू नेटवर्क को हमारी 'कोडशेयर' व्यवस्था में जोड़ने से हमारे ग्राहकों को भारत में बेहतर संपर्क व सुविधा मिलेगी, जो एसआईए समूह के लिए एक प्रमुख बाजार है।''

जिंदल पैंथर सीमेंट कंपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने 2,160 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली।
नवीन जिंदल समूह की कंपनी जिंदल पैंथर सीमेंट ने अपनी उत्पादन क्षमता को 7 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लिए 2,160 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की। इस विस्तार के तहत कंपनी ओडिशा के अंगुल में 1.5 एमटीपीए की नई सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट स्थापित करेगी, जिससे उत्पादन की संभावनाओं में वृद्धि होगी। इस नई यूनिट में जिंदल स्टील एंड पावर के अंगुल स्थित प्लांट से 1 एमटीपीए ब्लास्ट फर्नेस स्लैग का उपयोग किया जाएगा। ब्लास्ट फर्नेस स्लैग स्टील निर्माण का उप-उत्पाद है और इसका उपयोग सीमेंट बनाने में किया जाता है। इस विस्तार को अगले चार वर्षों में पूरा करने की योजना है। जिंदल समूह के पास पहले से ही छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में 1 एमटीपीए की सीमेंट यूनिट है, जहां से जिंदल पैंथर ब्रांड के तहत सीमेंट बेचा जाता है। अंगुल और रायगढ़ में कुल मिलाकर 7 एमटीपीए की उत्पादन क्षमता का विस्तार कंपनी की सीमेंट उद्योग में उपस्थिति को और मजबूत करेगा और क्षेत्र की बुनियादी ढांचे की मांग को पूरा करने के लिए टिकाऊ निर्माण सामग्री प्रदान करेगा। जिंदल पैंथर सीमेंट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अंगुल ग्राइंडिंग यूनिट का चालू होना भविष्य की ओर एक बड़ा कदम है। हमारा कम-कार्बन सीमेंट और नया वितरण मॉडल पूर्वी भारत के बुनियादी ढांचे की वृद्धि में मदद करेगा और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा। इस बीच अदाणी परिवार के स्वामित्व वाली अंबुजा सीमेंट्स ने हाल ही में ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में 46.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 8,100 करोड़ रुपये के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सौदा सीमेंट उद्योग में अदाणी समूह की स्थिति को और मजबूत करेगा।

विकसित भारत के निर्माण के लिए बुनियादी ढांचा, निवेश नवाचार और समावेशिता पर ध्यान केंद्रित : सीतारमण

वाशिंगटन/नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी नीति सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार और समावेशिता पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सीतारमण ने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के व्हार्टन स्कूल के छात्रों के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही।

वित्त मंत्री कार्यालय ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंचीं। वित्त मंत्री न्यूयॉर्क से वाशिंगटन डीसी तक कार में आईं। इस बीच वह पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में रुकी थीं, जहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों, बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार तथा समावेशिता पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

व्हार्टन स्कूल के छात्रों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 51 से ज्यादा मंत्रालय और विभाग डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ़र (डीबीटी) से जुड़े हैं। पिछले 8 सालों में कुल मिलाकर 450 अरब अमरीकी डॉलर से ज्यादा ट्रांसफ़र किए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि 8 सालों में लगभग 40 अरब अमरीकी डॉलर की चोरी से बचाए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत का यह डिजिटल अनुभव चोरी, धोखाधड़ी वाले लेन-देन और फर्जी खाताधारकों को कम करने का एक बेहतरीन सबक है। इससे हमें करदाताओं के पैसे के बारे में जिम्मेदार होने में बहुत फायदा मिल रहा है।

सीतारमण ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि जिस वर्ष हम ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहे होंगे, अर्थात 2047 में, हम एक विकसित देश बनना चाहते हैं और बनने की आकांक्षा रखते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने चार प्रमुख क्षेत्रों बुनियादी ढांचा, निवेश, नवाचार और समावेशिता की पहचान की है। उन्होंने कहा कि अलावा चार वर्गों, किसानों, महिलाओं, युवाओं तथा गरीबों की जरूरतों को समझने और उसे पूरा करने की जरूरत है। इसके साथ यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें संसाधनों तथा अवसरों तक पहुंच मिले।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारण अमेरिका के आधिकारिक दौरे पर हैं। सीतारमण वाशिंगटन डीसी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों, केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठकों, जी-20 एफएमसीबीजी, पर्यावरण मंत्रियों एवं विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक और जी-7-अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

उसना चावल से एक्सपोर्ट ड्यूटी हटाई गई, केंद्र की ओर से नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली।
केंद्र सरकार ने चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए उसना चावल यानी उबले चावल (परबॉयल्ड राइस) पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म कर दिया है। पिछले सप्ताह ही हाई लेवल मिनिस्टीरियल पैनल ने इस आशय का निर्णय लिया था। अब इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पिछले महीने ही उसना चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को 20 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत किया गया था। लेकिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में आई गिरावट और देश में पहले से मौजूद चावल के पर्याप्त भंडार को देखते हुए सरकार ने उसना चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया है।

कुछ दिनों पहले ही इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मिलकर चावल पर लगने वाली एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने की मांग की थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने हाई लेवल मिनिस्टीरियल फाइनल का गठन किया। इस मिनिस्टीरियल पैनल ने उसना चावल पर लगने वाली 10 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने का फैसला लिया। आईआरईएफ का कहना है कि भारत के पास चावल का पर्याप्त भंडार पहले से मौजूद है। इसी तरह इस खरीफ सीजन में चावल की बंपर पैदावार हुई है, जिसके कारण जल्द ही देश के चावल भंडार में जबरदस्त बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

राइस एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने लिया फैसला

आईआरईएफ की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को बताया गया कि फिलहाल देश में ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत 235 लाख टन चावल का विशाल स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा इस सीजन में भी 275 लाख टन अतिरिक्त चावल के बाजार में आने की उम्मीद है। इस तरह देश में चावल का विशाल भंडार इकट्ठा हो जाएगा। ऐसे में चावल उत्पादक किसानों और चावल के कारोबारियों को तभी राहत मिल सकती है, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल के निर्यात के लिए उन्हें बंदिशों से मुक्त होकर काम करने का मौका मिले।

आईआरईएफ की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को दिए गए ज्ञापन में ये भी कहा गया था कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में लगातार गिरावट आई है। दूसरी ओर, एक्सपोर्ट ड्यूटी की वजह से भारतीय चावल अंतरराष्ट्रीय बाजार में तुलनात्मक तौर पर महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य पर पेश करने से ही निर्यात के मोर्चे पर सफलता मिल सकती है। इन्हीं बातों को सामने रखते हुए आईआरईएफ ने केंद्र सरकार से 10 प्रतिशत की एक्सपोर्ट ड्यूटी को खत्म करने की मांग की थी।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि उसना चावल से एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म कर देने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चावल की कीमत में गिरावट आएगी, जिससे चावल के निर्यात में तेजी आएगी। ऐसा होने से किसानों का तो फायदा होगा ही, चावल के कारोबारियों की भी आय बढ़ेगी और सरकार के गोदामों में चावल के भंडारण और रखरखाव पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी।

इंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन ने सरकार के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि उसना चावल को ड्यूटी फ्री करने से विशेष रूप से अफ्रीकी देशों में इसका निर्यात बढ़ सकेगा। इसके साथ ही दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में भी भारतीय चावल की खेप पहुंच सकेगी। इन दोनों ही क्षेत्रों के देश कीमत को लेकर काफी संवेदनशील माने जाते हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमत में गिरावट आने के बाद इन देशों ने भारत से चावल लेने की जगह थाईलैंड, वियतनाम और पाकिस्तान जैसे देशों से चावल लेना शुरू कर दिया। अब एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म होने के बाद भारत का चावल भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी कीमत पर बेचा जा सकेगा, जिससे चावल खरीदने वाले देशों में भारतीय चावल की खपत बढ़ेगी।

सोने के भाव में मामूली गिरावट, चांदी की कीमत में आया उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने में बुधवार को मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर चांदी में 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 79,780 रुपये से लेकर 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,140 रुपये से लेकर 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में उछाल आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु बुधवार को 1,02,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना बुधवार को 79,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 79,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

बेंगलुरु बुल्स को हराने के बाद यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक बोले–लंबे रेडर्स की वजह से हमें मदद मिली

हैदराबाद।
यूपी योद्धा ने हैदराबाद के गाचीबोवली स्थित जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में बेंगलुरु बुल्स को 57–36 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। हाई स्कोरिंग मुकाबले में सुरेंदर गिल ने 17 अंक बनाए जबकि भरत ने 14 अंक बनाकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

जबकि दोनों टीमों ने शुरुआत में अंक हासिल किए, योद्धा ने जल्दी ही लय हासिल कर ली और भरत और गिल की बदौलत पहले चरण में 9 अंकों की बढ़त बना ली। भरत ने शुरुआत में 7 अंक बनाए और बेंगलुरु बुल्स को ऑल आउट करके योद्धा की स्थिति को और मजबूत किया। सुरेंदर गिल, भरत और सुमित की तिकड़ी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और एक शानदार जीत हासिल की।

मैच के बाद कप्तान सुरेंदर गिल ने कहा, भरत ने फॉर्म में वापसी की है और हालांकि अंतर एक अलग मामला है, लेकिन उनकी मौजूदगी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। हमारा डिफेंस भी अपना काम बखूबी कर रहा है।

पूर्व साथी प्रदीप नरवाल के खिलाफ अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए, सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने बताया, जब प्रदीप जैसे रेडर का सामना करना पड़ता है, तो हमें अपने रेडर को भी आक्रामक तरीके से खेलना होता है। प्रदीप अकेले आखिरी 5 मिनट में 10–15 अंक बना सकते हैं। वह एक अच्छे लीडर हैं और हमारी योजना मल्टीपल–पॉइंट रेड को रोकने की थी। हम उनके सिंगल पॉइंट लेने में सहज थे क्योंकि हमारे रेडर इसकी भरपाई कर सकते थे।

हाल ही में मिली जीत के बाद यूपी योद्धा का कैंप आत्मविश्वास से भरा हुआ है, जिसमें नेतृत्व और कोचिंग स्टाफ दोनों ही टीम के एकजुट प्रदर्शन को उजागर कर रहे हैं। टीम ने लगातार दो मैच सफलतापूर्वक जीते, जिसमें भरत की वापसी ने उनके लाइनअप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मलिक ने कहा, लंबे रेडर होने से निश्चित रूप से हमें फायदा होता है, खासकर करो या मरो वाली रेड और बोनस पॉइंट की स्थिति में। सुरेंदर और भवानी की लंबाई अच्छी है, इसलिए यह हमारे पक्ष में है।

बंगाल वॉरियर्स के साथ होने वाले मुकाबले को देखते हुए दोनों ही लीडर्स ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया।

मलिक ने आगे की चुनौती पर कहा, बंगाल वॉरियर्स के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं। अगर हमारा डिफेंस अपनी फॉर्म को बरकरार रखता है और हमारी रेड इसी तरह जारी रहती है, तो हमें कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

आईपीएल : गुजरात के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने को तैयार पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल गुजरात टाइटन्स के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, पार्थिव कई भूमिकाएँ निभाएँगे, जिसमें आशीष नेहरा की अगुआई वाली सपोर्ट स्टाफ में सहायक कोच की भूमिका के साथ-साथ टैलेंट स्काउट्स में से एक की भूमिका भी शामिल है। 2020 में रिटायर हुए पार्थिव के लिए आईपीएल में यह पहली कोचिंग भूमिका है। इससे पहले वे 2023 तक तीन सत्रों के लिए मुंबई इंडियंस के लिए टैलेंट स्काउट थे, और 2023 में एमआई एमिरेट्स के लिए बल्लेबाजी कोच भी थे, जो कि आईएलटी20 का उद्घाटन सत्र था। संयोग से, पार्थिव रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में दिनेश कार्तिक के बाद 2025 सीज़न से पहले आईपीएल टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने वाले दूसरे पूर्व भारतीय विकेटकीपर हैं। 39 वर्षीय पार्थिव ने 2008 से 2019 के बीच छह आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए खेला। उन्होंने 2010 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ और दो बार 2015 और 2017 में मुंबई के साथ खिताब भी जीता। 139 मैचों में, पार्थिव ने मुख्य रूप से सलामी बल्लेबाज के रूप में 120 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2848 रन बनाए। टाइटंस में, जो 2022 में खिताब जीतने के बाद 2024 में सातवें स्थान पर रहा और 2023 में उपविजेता रहा, पार्थिव थिंक टैंक में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे जिसमें नेहरा (मुख्य कोच), विक्रम सोलंकी (क्रिकेट निदेशक) और आशीष कपूर (सहायक कोच) शामिल हैं।

इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन ने न्यूकैसल यूनाइटेड के साथ किया दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर

लंदन। इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन ने न्यूकैसल यूनाइटेड के साथ एक नया दीर्घकालिक अनुबंध

किया है। क्लब ने उक्त पुष्टि की। जनवरी 2023 में एवर्टन से न्यूकैसल में शामिल होने के बाद से गॉर्डन ने 74 मैचों में 15 गोल किए हैं और 11 असिस्ट दिए हैं, जिससे उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में जगह मिल गई है। बताया जाता है कि न्यूकैसल ने गर्मियों में संभावित स्थानांतरण के लिए लिवरपूल के साथ बातचीत की थी, लेकिन यह कदम कभी नहीं उठाया जा सका था। न्यूकैसल वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि क्लब एक बेहतरीन जगह पर है। सऊदी अरब द्वारा अधिग्रहण के बाद से, यह लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। मैं और गैफर (होवे) खेलने की शैली के मामले में एकदम सही जोड़ी हैं। मुझे यहाँ रहना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, यह टीम मेरे लिए बहुत उपयुक्त है – और मैं यहां ट्रॉफी जीतने आया हूं। संक्षेप में कहें तो हमें ट्रॉफी जीतनी है। होवे ने गॉर्डन के विस्तारित प्रवास की खबर का भी स्वागत किया। कोच ने कहा, वह स्वयं और टीम में सुधार के लिए समर्पित है, और जब आप उसके प्रदर्शन की गुणवत्ता और उसकी अविश्वसनीय रूप से उच्च कार्य-दर को जोड़ते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समर्थकों के साथ उसका इतना विशेष संबंध क्यों है।

मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन नवंबर में

मकाऊ। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन 14 से 17 नवंबर तक किया जाएगा। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स आयोजन समिति (एमजीपीओसी) ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उक्त घोषणा की। इस साल के ग्रैंड प्रिक्स में सात इवेंट, मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स - एफआईए एफआर वर्ल्ड कप, मकाऊ जीटी कप - एफआईए जीटी वर्ल्ड कप, मकाऊ गुआ रेस - कुम्हो एफआईए टीसीआर वर्ल्ड टूर इवेंट ऑफ मकाऊ, मकाऊ मोटरसाइकिल ग्रैंड प्रिक्स - 56वां संस्करण, ग्रेटर बे एरिया जीटी कप (जीटी4), मकाऊ रोडस्पोर्ट चैलेंज और मकाऊ रोडस्पोर्ट - मकाऊ एसएआर एस्टेब्लिशमेंट कप, शामिल हैं। एमजीपीओसी ने कहा कि मकाऊ के प्रमुख वार्षिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के रूप में, इस साल ग्रैंड प्रिक्स निवासियों और आगंतुकों को कार्यक्रम के आसपास कई गतिविधियों के साथ जीवंत माहौल में डूबने का मौका देगा। रेसिंग संस्कृति को और अधिक बढ़ावा देने के लिए, 71वीं मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य मकाऊ निवासियों को विभिन्न तरीकों से ग्रैंड प्रिक्स गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

सुल्तान जोहोर कप में भारत की शानदार जीत, मलेशिया को 4–2 से हराया

जोहोर बाहरू (मलेशिया)।
तीन बार के चैंपियन भारत ने सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान मलेशिया को 4–2 से हराकर अपनी अजेय लय बनाए रखी है। इस जीत के बाद भारत ने 9 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि न्यूजीलैंड 5 अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 4 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मैच की शुरुआत में मलेशिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। मेजबान टीम ने 8वें मिनट में कप्तान मुहम्मद अदी जाजमी जमलुस के सहारे मोहम्मद दानिश अइमान के गोल से बढ़त बनाई। इसके एक मिनट बाद, हैरिस उस्मान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके मलेशिया की बढ़त को दोगुना कर दिया।

हालांकि, भारत की अग्रिम पंक्ति ने आक्रामक खेल जारी रखा और दबाव को सहन किया। ड्रैग फ्लिकर शारदा नंद तिवारी ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की वापसी कराई। इसके बाद, मनमीत सिंह की मदद से अर्शदीप सिंह ने 13वें मिनट में एक और गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। पहले क्वार्टर में चार गोल हुए, लेकिन दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा।

मध्यांतर के बाद, तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने बढ़त लेने के लिए पूरा प्रयास किया। लेकिन भारत को सफलता मिली जब तालेम प्रियाव्रत ने 39वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत 3–2 की बढ़त बना सका। इसके बाद रोहित ने 40वें मिनट में एक शानदार पेनल्टी कॉर्नर स्ट्राइक के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में मलेशिया ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन इसे गोल में बदलने में असफल रहा। दोनों टीमों ने फिर से गोल करने के कई मौके गंवाए और अंत में भारत ने 4–2 की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और अब उन्हें अगली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

दिल्ली में 10 साल बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी, भारत का मुकाबला जर्मनी से

नई दिल्ली। दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 10 वर्ष बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होने जा रही है। भारतीय हॉकी टीम बुधवार को जब दो मैचों की सीरीज के पहले मैच में जर्मनी के खिलाफ उतरेगी तो उसकी

निगाहें पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में इस देश से 2–3 से मिली हार का बदला लेने पर होंगी। हालांकि यह आसान नहीं होगा। जर्मनी को पेरिस ओलंपिक के फाइनल में नीदरलैंड के हाथों पेनल्टी शूटआउट में हार मिली थी। साथ ही उसकी विश्व रैंकिंग दो है, जबकि भारत पांचवें स्थान पर है। ए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच से पहले कहा, यह सीरीज दिल्ली में हॉकी के प्रति भावना को पुनर्जीवित करेगी। मुझे उम्मीद है कि इस सीरीज के जरिये दिल्ली में युवा हॉकी को अपनाने के प्रति प्रेरित होंगे। ध्यानचंद स्टेडियम में अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच 2014 में हीरो वर्ल्ड लीग फाइनल का खेला गया था। अब ये दो टेस्ट मैच बुधवार और गुरुवार को खेले जाएंगे। इन टेस्ट मैचों के लिए हॉकी प्रेमियों ने भी रुचि दिखाई है। मुफ्त टिकट के लिए 12 हजार दर्शकों ने आवेदन किया है। स्टेडियम की क्षमता 16 हजार दर्शकों की है। कागजों में जर्मनी जरूर ताकतवर दिखाई दे रहा है, लेकिन इस देश के साथ पिछले पांच मुकाबलों में भारत ने तीन जीते हैं, जबकि दो में उसे हार मिली है। टीम में ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार को शामिल किया गया है। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे, जबकि उपकप्तानी विवेक सागर करेंगे। हार्दिक चोट के कारण टीम से बाहर हैं। टीम में राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन पदार्पण करने जा रहे हैं। मंदीप सिंह की टीम में वापसी हुई है। भारत ने इस साल पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और टोक्यो में अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

पंत ने कोहली को पछाड़ा बुमराह शीर्ष पर बरकरार

न्यूजीलैंड टेस्ट की दूसरी पारी में 99 रनों की पारी खेलने वाले पंत को रैंकिंग में 3 पायदान का फायदा

नई दिल्ली।
भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बुधवार को अपने साथी खिलाड़ी विराट कोहली को पछाड़कर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 99 रनों की शानदार पारी खेलने वाले पंत को रैंकिंग में तीन पायदान का फायदा हुआ है, जबकि बेंगलुरु में 70 रनों की पारी खेलने वाले कोहली एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दो पायदान नीचे खिसककर श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट शीर्ष पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं।

न्यूजीलैंड की जोड़ी रचिन रवींद्र (36 पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और डेवोन कॉनवे (12 पायदान ऊपर 36वें स्थान पर) को टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा सूची में बढ़त हासिल हुई है, जबकि टीम के साथी मैट हेनरी (नए करियर-उच्च रेटिंग के साथ दो पायदान ऊपर नौवें स्थान पर) ने गेंदबाजों की श्रेणी में बड़ा सुधार किया है।

हेनरी ने बेंगलुरु में भारत पर आठ विकेट की जीत के दौरान आठ विकेट चटकाए, जबकि टीम के साथी विल ओरुरके (दो पायदान ऊपर 39वें स्थान पर) को भी उसी मैच में सात विकेट लेने के लिए पुरस्कृत किया गया।

पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में 11 विकेट लेने के बाद 17वें स्थान पर वापस आ गए हैं, जबकि टीम के साथी साजिद खान को उसी मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद 22 पायदान का फायदा हुआ और वे 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि उनके साथी आर अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। सातवें स्थान पर बरकरार रवींद्र जडेजा शीर्ष 10 में शामिल एक अन्य भारतीय हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट के लिए पाक की टीम में कोई परिवर्तन नहीं

रावलपिंडी।
पाकिस्तान रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और निर्णायक मैच में उसी टीम को उतारेगा, जिसने दूसरे टेस्ट में इंग्लिश टीम को 152 रनों से शिकस्त दी थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की घोषणा एक दिन पहले बुधवार को की।

शान मसूद के कप्तानी में यह पहली बार है कि पाकिस्तान ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह निर्णय कोई आश्चर्य की बात नहीं है, हालांकि एक मौका था कि पाकिस्तान अपने संयोजन में बदलाव करके जाहिद महमूद की जगह एक तेज गेंदबाज को शामिल कर सकता है, जिन्होंने मुल्तान में सिर्फ छह अप्रभावी ओवर फेंके थे। लेकिन उनके पसंदीदा विकल्प मीर हमजा के चोटिल होने से ऐसा होने की कोई संभावना नहीं रही।

ऐतिहासिक रूप से, पिंडी ने कभी भी बहुत अधिक स्पिन नहीं ली है, यहां तक कि टेस्ट मैचों के अंत में भी; इस सतह पर सिर्फ दो टेस्ट मैच पहले, पाकिस्तान ने अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सभी तेज गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी की थी। बता दें कि तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर है। पाकिस्तान जुलाई में श्रीलंका में 2–0 की जीत के बाद अपनी पहली सीरीज जीत की तलाश में है। इसके अलावा पाकिस्तान को फरवरी 2021 में दक्षिण अफ्रीका को इसी स्कोरलाइन से हराने के बाद से घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश है।

तीसरे और निर्णायक टेस्ट के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है– सैम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), कामरान गुलाम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेट कीपर), सलमान आगा, आमिर जमाल, साजिद खान, नोमान अली, जाहिद महमूद।

एनआरएआई की घोषणा : जल्द ही शुरु होगी भारत की पहली शूटिंग लीग

नई दिल्ली।
भारत को अपनी पहली शूटिंग फ्रैंचाइज़ी लीग जल्द ही शुरु होने जा रही है, जिसे फिलहाल शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) नाम दिया गया है। इसकी घोषणा भारत में ओलंपिक खेल की शासी संस्था, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने की है।

एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव द्वारा प्रस्तावित इस योजना को संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था, गवर्निंग बॉडी से मंजूरी मिल गई है।

पहले संस्करण का आयोजन मार्च 2025 में, अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) से स्वीकृति प्राप्त करने के बाद किया जाएगा और इसके लिए एक समय सीमा निर्धारित की जा रही है।

लीग को लेकर सिंह देव ने कहा, हाल ही में हुए पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद शूटिंग की लोकप्रियता को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है, और हमें लगा कि यह लीग शुरू करने का सही समय है। हमने देखा है कि अच्छी तरह से संगठित फ्रैंचाइज़ी लीगों ने न केवल खेल की लोकप्रियता को बढ़ावा दिया है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने खेल और उसके एथलीटों के लिए नई दर्शक संख्या और राजस्व भी लाया है। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग अपने शुद्ध ओलंपिक रूप और प्रारूप में टेलीविजन के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती है, हालांकि हमने इस पर गहन विचार किया है और महसूस किया कि हमने एक सफल प्रारूप हासिल कर लिया है। यह सब खेल और उसके सुपर एथलीटों के हित में है, जिन्होंने पिछले कुछ दशकों में वैश्विक मंचों पर देश को लगातार गौरव दिलाया है। वे इसके हकदार हैं।

एनआरएआई के महासचिव, के. सुल्तान सिंह ने एसएलआई की मूल रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम सभी 15 ओलंपिक इवेंट्स को एसएलआई का हिस्सा बनाना चाहते हैं, लेकिन हम कुछ प्रारूपों में नवाचार और बदलाव करेंगे ताकि उन्हें टेलीविजन या लाइव स्ट्रीम पर अधिक रोमांचक बनाया जा सके। हम खेल में नये दर्शकों और प्रायोजकों को आकर्षित करने के लिए अद्वितीय स्वामित्व और टीम संरचना भी चाहते हैं। जल्द ही और विवरण साझा किए जाएंगे।

हाल ही में संपन्न पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारत ने शूटिंग से तीन कांस्य पदक जीते, जो देश की कुल पदक संख्या का आधा हिस्सा थे। यह पहली बार था जब भारत ने किसी भी खेल में तीन पदक जीते, और इसने शूटिंग को देश का सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपिक खेल बना दिया, जिसमें पिछले दो दशकों में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

गौतम गंभीर ने आलोचनाओं से घिरे केएल राहुल का किया समर्थन, कहा–

सोशल मीडिया और विशेषज्ञ क्या कह रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता

पुणे।
भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले आलोचनाओं से घिरे केएल राहुल का समर्थन किया है। बेंगलुरु में सीरीज के पहले मैच में दोनों पारियों में 0 और 12 रन बनाने के बाद राहुल के राष्ट्रीय टीम में भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर जहां उनके खराब फॉर्म को लेकर चर्चा हो रही है, वहीं कुछ विशेषज्ञों ने इस अनुभवी बल्लेबाज पर मौके का पूरा फायदा उठाने में विफल रहने के लिए कटाक्ष भी किया है।

हालांकि, गंभीर इससे बेपरवाह बने रहे। गंभीर ने बुधवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, सबसे पहले, सोशल मीडिया का कोई मतलब नहीं है। आप सोशल मीडिया पर या सोशल मीडिया के कारण या फिर विशेषज्ञों की राय के आधार पर खिलाड़ियों का चयन नहीं करते। टीम प्रबंधन और नेतृत्व समूह क्या सोचते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

राहुल ने कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 68 रन की पारी खेली, लेकिन पिछले सप्ताह अपने घरेलू मैदान - एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम - पर उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए।

गंभीर ने कहा, आखिरकार, हर किसी का मूल्यांकन किया जाता है। ईमानदारी से कहूं तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मूल्यांकन किया जाता है, क्योंकि आखिरकार हर किसी के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। मुझे लगता है कि वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। जाहिर है, उसने कानपुर में मुश्किल विकेट पर अच्छी पारी खेली और योजना के अनुसार खेला।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले, राहुल ने इंडिया ए के लिए दलीप ट्रॉफी में एकमात्र मैच खेला, जहां उन्होंने 111 गेंदों में 37 रन बनाए और महत्वपूर्ण क्षणों का फायदा उठाने में विफल रहने और आक्रामक शॉट खेलने में अनिच्छा दिखाने के लिए उनकी आलोचना की। हालांकि, दूसरी पारी में, उन्होंने 121 गेंदों में 57 रन की पारी खेली और बल्लेबाजी के पतन के बीच पारी को संभाला, भले ही उनकी टीम इंडिया बी से हार गई।

दिसंबर 2014 में अपने डेब्यू के बाद से राहुल ने सिर्फ़ 53 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33.87 की औसत से 2981 रन बनाए हैं। अपने करियर में उन्होंने चार अलग-अलग पोजिशन पर बल्लेबाज़ी की है, लेकिन वे किसी तरह अपना दबदबा बनाए रखने में विफल रहे हैं। 75 पारियों में बतौर ओपनर राहुल ने 34.94 की औसत से 2551 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और 12 अर्द्धशतक शामिल हैं।

गंभीर ने कहा, मुझे यकीन है कि वह यह भी जानते होंगे कि वह बड़े रन बनाना चाहते हैं और उनमें रन बनाने की क्षमता है, और इसीलिए टीम प्रबंधन ने उनका समर्थन किया है।

पिछले साल दिसंबर में, राहुल ने सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 101 रन बनाए - वे इस मैदान पर दो शतक (पहला दिसंबर, 2021 में) बनाने वाले एकमात्र मेहमान बल्लेबाज बन गए, जिससे अतीत में विदेशी बल्लेबाजों को कोई मदद नहीं मिली है।

तब से, इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ के दौरान चोट के कारण वे बाहर हो गए थे, लेकिन अब जब वे वापस मैदान पर हैं, तो राहुल के लिए अपनी लय हासिल करना महत्वपूर्ण है। टीम प्रबंधन भी उनसे अधिक निरंतरता की उम्मीद करेगा।

पथरी हो या कैंसर बचाता है बथुआ

सब्जी, रायते व खाने में कई तरह से प्रयोग में लाया जाने वाला बथुआ अनेक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। इसे खाने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। पथरी हो या कैंसर सबसे बचाव करता है बथुआ। जानिए इससे होने वाले फायदों के बारे में...

बीमारियों में लाभकारी बथुआ

ब्रेस्ट कैंसर: आयुर्वेद में किए गए शोध के मुताबिक बथुए को नियमित खाने से ब्रेस्ट कैंसर की आशंका कम हो जाती है। इसमें मौजूद सेलिनियम, ओमेगा-3 व 6 फैटी एसिड ब्रेस्ट कैंसररोधक होते हैं।

जोड़ों में दर्द: इसके 10 ग्राम बीजों को करीब 200 मिलीलीटर पानी में उबालें। 50 मिलिलीटर बचने पर गर्मागर्म पिएं। ऐसा एक महीने तक सुबह-शाम करने से जोड़ों के दर्द में लाभ होता है। इसकी ताजी पत्तियों को पीसकर हल्का गर्म करें और दर्द वाले स्थान पर बांधें। इससे भी दर्द में आराम मिलता है।

एनीमिया: इसमें आयरन व फोलिक एसिड होता है। करीब डेढ़ माह तक सब्जी बनाकर खाने या इसका 15-20 मिलीलीटर (करीब 4 चम्मच) रस सुबह-शाम लेने से खून की कमी की समस्या दूर होती है।

पीलिया: इसके 15 मिलिलीटर रस को 30 मिलीलीटर गिलोय रस के साथ करीब 10 दिनों तक लेने से पीलिया में राहत मिलती है।

बवासीर: इसके पंचांग (तना, जड़, पत्ते, फूल व बीज) को सुखाकर चूर्ण बना लें। करीब 10 ग्राम चूर्ण 15 दिनों तक सुबह-शाम बकरी के दूध के साथ लें, समस्या दूर होगी।

अनियमित माहवारी: 10 ग्राम बीज को 200 मिली पानी में उबालें। 50 मिली बचने पर छान लें। छने हुए पानी में करीब 2 ग्राम सौंठ मिलाकर गर्म-गर्म पिएं। इससे अनियमित माहवारी की समस्या व दर्द में आराम मिलता है।

पथरी: बथुआ में क्षार होता है। पथरी की शुरुआती स्टेज में इसके रस को 20 दिनों तक पीने से पथरी टूटकर यूरिन के जरिए बाहर आ जाती है।

ये टॉयलेट है स्मॉर्ट, जांच लेता है बीमारी

दुनिया के सबसे बड़े टॉयलेट मैन्युफैक्चरर कंपनी टोटो ने एक अलग तरह के टॉयलेट का निर्माण किया, जिसकी खासियतें सुनकर आप चौंक सकते हैं। दरअसल, टॉयलेट मैन्युफैक्चरर कंपनी टोटो ने ऐसा टॉयलेट विकसित किया है, जो सेहत के संभावित खतरे के लिए किसी को भी आगाह कर सकता है। टोटो ने अपने इस अनोखे टॉयलेट के बारे में जानकारी जापान के योकोहामा में हुए मी-बायो जापान 2015 कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। डॉक्टर की तरह सेहत के लिए अलर्ट करने वाले टॉयलेट के निर्माण में विशेष तकनीक प्रयोग की गई है। साथ ही इसमें प्रयोग की गई तकनीक को जापान की तेजी से बुजुर्ग होती जनसंख्या के लिए वरदान माना जा रहा है। दरअसल, टोटो कंपनी ने इस फ्लोस्काई नाम के टॉयलेट की खासियत है कि ये यूरिन फ्लो रेट को माप सकता है। इसके लिए इसे खास तरह के सेंसर्स से लैस किया गया है। ये सेंसर्स यूजर के यूरीन फ्लो रेट ही यूरीन के वॉल्यूम परिवर्तन जैसी कई तरह की गणनाएं कर लेते हैं। रीडिंग टॉयलेट से रीलीव होने के फौरन बाद मिल जाती है। ये तकनीक उन मरीजों के लिए बहुत लाभदायक है जो दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। इन मरीजों से दूर बैठा डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर इस एप्लीकेशन के जरिए नजर रख सकता है।

यहां नलों से गिरती है शराब

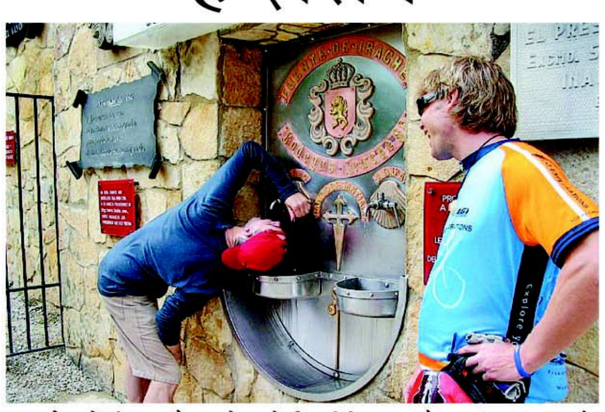

स्पेन में ईराच और एस्टेला ऐसी चर्चित जगह है, जहां पर शराब के गोदामों को देखकर और शराब से जुड़ी कई अलग तरह की बातें जानकर कोई भी व्यक्ति हैरान हो जाता है। यहां पर शराब से जुड़े कई किस्से सुनने को मिलते हैं, जिनमें से एक है एस्टेला में शराब पीने के लिए लगा नल। ये वो जगह है, जहां पर आपको शराब के तलबगार लोग नल के भर-भर कर कप में शराब पीते नजर आएंगे। बताया जाता है कि एस्टेला शराब के नल का निर्माण साल 1891 में किया गया था। साथ ही ये जगह 12वीं सदी में अंगूरों के बाग के रूप में जानी जाती थी। इसके बाद बदलते वक्त के साथ 1991 में इस जगह को नए तरीके से बनाया गया। यहां की छोटी-छोटी शराब की दुकानों की जगह पर शराब के हॉल का निर्माण किया गया, जिसमें रखे 23स्टेनलेस के ड्रमों में कुल लगभग 70 हजार लीटर शराब रखी जा सकती है। ईराच और एस्टेला के वाइन संग्रहालय में आने वाले लोगों के लिए वाइन फाउंटेन किसी अजूबे से कम नहीं है। यहां आने वाले लोगों के लिए शराब परोसने के बेहतर इंतजाम के साथ उनकी मौज-मस्ती के लिए भी खास तैयारियां की जाती है।

लैदर स्कर्ट से मिलेगा फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लैदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा। शायद एक पल के लिए पार्टी में लैदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोच कर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। लैदर स्कर्ट्स जो कि अभी रैम्प और रेड कारपेट पर छाई हैं, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेगी। जानिए लैदर स्कर्ट पहनने के कुछ तरीकों के बारे में, जिनसे लुक बदलना आसान होगा

क्यों जरूरी है ब्लड सर्कुलेशन

रक्त मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूरे शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम रक्त ही करता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्वस्थ्य रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम भी ब्लड ही करता है। रक्त वाहिनियों की शाखाएं और घुमाव रक्त संचार को बाधित करते हैं और हृदय रोग की वजह बनते हैं।

पतली कमर चाहिए तो करें पादहस्तासन

पतली कमर की चाह किस स्त्री को नहीं है। हर उम्र की लड़कियों को पतली कमर की इच्छा होती है। लेकिन दिक्कत यह है कि पतली कमर हासिल करना किसी बड़े टास्क सरीखा हो गया है। पादहस्तासन इसके लिए सबसे सरल और सटीक उपाय है। चूंकि हाथों से पैरों को पकड़कर यह आसन किया जाता है इसलिए इसे पादहस्तासन कहते हैं। यह आसन पेट और कमर के पास जमा फैट को कम करने में मदद करता है जिससे कमर पतली और आकर्षक बनती है। यही नहीं शरीर को लचीलापन भी मिलता है। यही कारण है कि सिर्फ महिलाएं पादहस्तासन का हाथ थामें, यह सही नहीं है। पुरुषों को भी पादहस्तासन अपने पर्फेक्ट बॉडी शेप के लिए करना चाहिए। इसके बारे में विस्तार से हम आपको बताते हैं।

कैसे करें यह आसन

कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाकर हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर झुकाते हुए सिर के ऊपर तक उठाए। ध्यान रहे कि कंधे कानों से सटे हों। हथेलियां सामने की ओर हों। जब बांहें एक-दूसरे के समानान्तर ऊपर उठ जाएं तब धीरे-धीरे कमर को सीधा रख सांस अंदर लेते हुए नीचे की ओर झुकना प्रारम्भ करें। झुकते समय भी ख्याल रखें कि कंधे कानों से सटे ही रहें। घुटने सीधे रखते हुए दोनों हथेलियों से एड़ी-पंजे मिले दोनों पांव को टखने के पास से कस के पकड़कर माथे को घुटने से स्पर्श करने का प्रयास करें। सांस अंदर बाहर करते रहें। सुविधा अनुसार 30-40 सेकंड इस स्थिति में रहें। वापस आने के लिए धीरे-धीरे इस स्थिति से ऊपर उठिए। खड़ी मुद्रा में आकर हाथों को पुनः कमर से सटाने के बाद विश्राम स्थिति में आएं। 5 से 7 बार ऐसा करें।

इस आसन के फायदे

जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि पतली कमर के लिए पादहस्तासन लाभकर है। साथ ही इसके करने से शरीर में लचीलापन भी आता है। इसके अलावा जिन लोगों को अपने कद में वृद्धि करनी है, उनके लिए भी यह सहायक है। हालांकि एक उम्र के बाद कद में वृद्धि असंभव होती है। बावजूद इसके शरीर में खिचाव होने के कारण कद की सामान्य वृद्धि देखी जा सकती है। बच्चों के लिए यह आसन बेहद फायदेमंद है। खासकर उन बच्चों के लिए जिन्हें अपने कद को लेकर संदेह है।

पादहस्तासन की खूबी की सूची अभी खत्म नहीं हुई है। पुरुष इस आसन को न करने की ठोस वजह दे सकते हैं कि यह आसन महिलाओं के लिए कारगर है। जबकि चौड़े सीने की चाह रखने वालों के लिए भी यह पर्फेक्ट योगासन है। अतः अगर आपमें परफेक्ट बॉडी शेप के साथ चौड़े सीने की चाहत है तो इस आसन से दूरी कम करिए। इसके अलावा यह आसन मूत्र-प्रणाली, गर्भाशय तथा जननेन्द्रिय स्रावों के लिए विशेष रूप से कारगर है।

इससे कब्ज दूर होती है। पीठ और रीढ़ की हड्डी को यह आसन मजबूत करता है और लचीला भी बनाता है। जंघाओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। आंतों के व पेट के प्रायः समस्त विकार इस आसन को नियमित करने से दूर होते हैं।

बरतें थोड़ी सावधानी

इस आसन को करने से पहले कई प्रकार की सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। अगर आप अपने पैरों को नहीं छू पा रहे हैं तो इसका आहिस्ता आहिस्ता अभ्यास करें। इसे कतई झटपट पूरा करने की कोशिश न करें। पैरों की मांसपेशियां आहत हो सकती हैं। झटके से गर्दन नीचे करने से गर्दन लचक सकती है। इसी तरह की और भी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अगर इसे करने की सही विधि से आप बावस्ता नहीं हैं तो बेहतर होगा कि योग विशेषज्ञों से संपर्क करें। इसके अलावा अगर आपमें रीढ़ की हड्डी की किसी भी तरह की शिकायत है तो इस आसन से दूरी बनाए रखें। पेट से जुड़ी हर किसी भी प्रकार की बीमारी पादहस्तासन करने की इजाजत नहीं देते। अतः इसे न करें। साथ हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए भी यह आसन सही नहीं है। उन्हें इसके नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। एसिडिटी से पीड़ित लोगों के लिए भी यही सलाह दी जाती है कि वे इसे न करें।

सी पैप मशीन रातों को देगी सुकून

आपने अपने आसपास कुछ लोगों को सोते समय खर्राटे लेते हुए देखा होगा, कई बार ये खर्राटे स्लीप एप्निया भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है।

क्या है स्लीप एप्निया?

सोते समय जब हम सांस लेते हैं तो ऑक्सीजन नाक या मुंह के माध्यम से गले में स्थित वायु-मार्ग से होती हुई सीधे फेफड़ों और हृदय तक पहुंचती है। लेकिन कुछ लोगों में विभिन्न कारणों की वजह से यह मार्ग बाधित हो जाता है जिसकी वजह से ऑक्सीजन ठीक से नहीं पहुंच पाती और यह स्थिति गले में कंपन पैदा करती है जो कि खर्राटे के रूप में सुनाई देती है।

कभी-कभी यह रुकावट इतनी गंभीर हो जाती है कि गले का वायु-मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को बेचैनी महसूस होने लगती है। विशेषज्ञों के मुताबिक खर्राटों के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती जिससे कमजोर एकाग्रक्षमता, सुस्ती और उनींदापन जैसे लक्षण होते हैं जो कि आगे चलकर ब्रेन स्ट्रोक और दिल के दौरे का जोखिम बढ़ा सकते हैं। साथ ही इससे लकवा, मानसिक अवसाद व डायबिटीज जैसी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है।

प्रमुख कारण

मुंह और गले की बनावट, छोटा जबड़ा, लंबी जीभ या अधिक वजन के कारण दोहरी ठोड़ी होना, सिगरेट की लत, मोटापा और लंबे समय तक जुकाम बना रहना।

ऐसे दूर होगी समस्या

सी-पैप मशीन: यह स्लीप एप्निया के लिए कारगर उपचार है। इसे नैबोलाइजर भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है। आजकल ये मशीन छोटे आकार व पहले की तुलना में हल्की आने लगी है जिसे रातभर बिस्तर के किनारे रखकर चैन की नींद सो सकते हैं।

सर्जरी भी है विकल्प: यदि आप रोजाना मशीन लगाने से बचना चाहते हैं तो इसका अन्य विकल्प है सर्जरी। यह उन लोगों को लिए भी अच्छा है जिनके मुंह और गले की बनावट में विकृति होती है। सर्जरी में रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन द्वारा श्वास-मार्ग चौड़ा किया जाता है जो कि जबड़े की बनावट या किसी वजह से सिकुड़ गया है।

वजन करें कंट्रोल: अधिक वजन भी स्लीप एप्निया का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में वे लोग जिनकी गर्दन मोटी है, उनमें वायु-मार्ग के आसपास अधिक ऊत्तकों के दबाव की आशंका रहती है। इससे वायु-मार्ग ब्लॉक हो सकता है। ऐसे में वजन कम करना जरूरी है।

औषधीय गुणों का भंडार है सदाबहार

कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका पता सामान्यत-रोग बढ़ने के बाद ही चल पाता है। इस स्थिति में सर्जरी ही बीमारी के विकल्प के रूप में सामने आती है। आयुर्वेद शोधकर्ताओं ने सफेद फूल वाले सदाबहार पौधे को इस बीमारी में प्रभावी माना है।

इस तरह हैं कैंसर में लाभकारी

ये पत्तियां कैंसररोधी हैं। ये रोग बढ़ाने वाली कोशिकाओं के विकास को रोकती हैं साथ ही इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गई कोशिकाओं को फिर से सेहतमंद बनाने का काम करती हैं। यदि इसकी पत्तियों से बने रस को कैंसर की पहली स्टेज वाले मरीज को दिया जाए तो उसके रोग के बढ़ने की आशंका कम हो जाती है। वहीं दूसरी व आखिरी स्टेज के दौरान इसके प्रयोग से मरीज की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होकर उसके जीवित रहने की अवधि बढ़ सकती है।

ध्यान रहे

कड़वा स्वाद होने के कारण इसे खाली पेट लेने से उल्टी हो सकती है। इसलिए इसका प्रयोग कुछ खाकर ही करें। छोटे बच्चों को इसके रस में शक्कर या चूर्ण में गुड़ मिलाकर गोलियों के रूप में दिया जा सकता है।

अन्य रोगों में भी प्रभावी

डायबिटीज के मरीजों में ये एंटीडायबिटिक का काम करती हैं। ये रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित रखती हैं। इनका सेवन स्वस्थ लोग भी कर सकते हैं। इससे उनका प्रतिरोधक तंत्र मजबूत होता है। सामान्य तासीर का होने की वजह से इसकी पत्तियों का प्रयोग हृदय व हाई बीपी के मरीज भी कर सकते हैं।

प्रयोग का तरीका

इसके पत्तों को सुखाकर चूर्ण बना लें व रोजाना नाश्ते के बाद आधा ग्राम चूर्ण को सादा पानी से लें। इसके अलावा रस को भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

रोजाना पांच ताजा पत्तियों को पानी के साथ पीसकर बारीक कपड़े से छानकर रस निकालें व इसे भोजन करने के बाद पिएं।

ब्लड प्रेशर सामान्य करता है शवासन

यह आसन आरामदायक आसन भी होता है, क्योंकि शव का अर्थ है मृत, यानी शरीर शव के समान हो जाता है। इसलिए ही इस आसन को शवासन के नाम से जाना जाता है। यह दो शब्दों के योग से बना है, शव+आसन = शव आसन या शवासन। अगर इस आसन को नियमित 15-20 मिनट किया जाए तो दिमाग शांत हो जाता है और उच्च रक्तचाप सामान्य हो जाता है। यह एक शिथिल करने वाला आसन है और शरीर, मन, और आत्मा को ऊर्जा प्रदान करता है। शवासन एक मात्र ऐसा आसन है, जिसे हर आयुवर्ग के लोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि यह आसन किस विधि से किया जाता है और इसके क्या लाभ होते हैं।

कैसे करें शवासन

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों में ज्यादा से ज्यादा अंतर रखें। पैरों के पंजे बाहर और एड़ियां अंदर की तरफ होनी चाहिए। दोनों हाथों को शरीर से लगभग एक फिट की दूरी पर रखें। हाथों की अंगुलियां मुड़ी हुई हों और गर्दन को सीधा रखें, आंखों को भी बंद रखें। शवासन में सबसे पहले पैर के अंगूठे से लेकर सिर तक का भाग ढीला छोड़ देते हैं। पूरा शरीर ढीला छोड़ने के बाद सबसे पहले मन को श्वांस-प्रश्वास के ऊपर लगाते हैं और मन के द्वारा यह महसूस करते हैं कि दोनों नासिकाओं से श्वास अंदर जा रही है तथा बाहर आ रही है। जब श्वांस अंदर जाती है तब नासिका के अग्र में हलकी-सी ठंडक महसूस होती है और जब हम श्वांस बाहर छोड़ते हैं तब हमें गरमाहट महसूस होता है। इस गर्माहट व ठंडक को अनुभव करें। इस तरह नासाग्रस से क्रमशः सीने तथा नाभि पर ध्यान केंद्रित करें। मन में उल्टी गिनती गिनते जाएं। 100 से लेकर 1 तक। यदि गलती हो जाए तो फिर से 100 से शुरू करें। ध्यान रहे कि आपका ध्यान सिर्फ शरीर से लगा हुआ होना चाहिए, मन में चल रहे विचारों पर नहीं। इसके लिए सांसों की गहराई को महसूस करें।

शवासन के फायदे

इस आसन को नियमित करने से श्वांस की स्थिति में हमारा मन शरीर से जुड़ा हुआ रहता है, जिससे शरीर में किसी प्रकार के बाहरी विचार उत्पन्न नहीं होते, यानी नकारात्मक विचार नहीं आते। इस कारण से हमारा मन पूर्णतः आरामदायक स्थिति में होता हैं, तब शरीर स्वतः ही शांति का अनुभव करता है।

थोड़ी सावधानी भी जरूरी

इस आसन का फायदा तभी है जब इसे करने दौरान आपकी आंखें बंद हों। हाथ को शरीर से एक फिट की दूरी पर व पैरों में एक से डेढ़ फीट की दूरी जरूरी है। इसमें शरीर को ढीला छोड़ देना चाहिए। श्वांस की स्थिति में शरीर को हिलाना नहीं चाहिए। यह मानसिक शांति और शुकून प्रदान करने वाला आसन है, इसे करने से मन और दिमाग दोनों शांत रहते हैं।

रेसिपी

मखाने की खीर

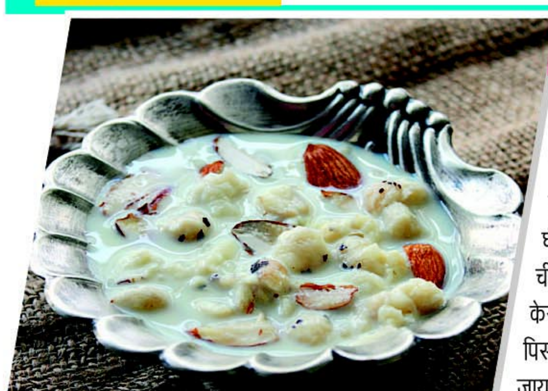

सामग्री

फूल मखनी - 1 कप
दूध - 5 कप
घी - 2
चीनी - 1/4 कप
केसर - 1
पिस्ता -
जायफल पाउडर - 1/2

विधि

कढ़ाई में थोड़ा घी डाल कर गरम कीजिए अब उसमे मखनी डाल कर भून लीजिए। मखनी ठंडा होने के बाद मिक्सी से पीस लीजिए। अब एक बर्तन में दूध और चीनी डाल कर उबालने रखें। चाशनी बनने के बाद आंच को धीमी करके मखनी पाउडर डाल कर मिलाए। अब दूध उबाल कर आधा होने के बाद पकाए। उसके बाद केसर, जायफल पाउडर मिलाकर 1 मिनट पकाए। मिश्रण ठंडा होने के बाद उसके ऊपर पिस्ता डाल कर सजाए। मखनी की खीर तैयार।

आलू कचौड़ी

सामग्री

मैदा - 1 कप , अजवाइन - 1/2 , तेल - 2, स्टफिंग के लिए, आलू - 3 , प्याज - 1 , हरी मिर्च - 1 , अदरक - (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - 1/2, हल्दी - 1/4

धनिया पाउडर, जीरा - गरम मसाला पाउडर - 1/2 , नमक - स्वादानुसार , तेल - अवयस्कता अनुसार

विधि

मैदा में नमक, अजवाइन, तेल डाल कर मिलाए अब उसमे थोड़ा थोड़ा पानी डाल कर नरम आटा गूथ लीजिए। आलू को उबाल कर छिलका हटा कर मेश कर लीजिए प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट कीजिए। कढ़ाई में तेल डाल कर गरम कीजिए अब उसमे जीरा और अदरक डाल कर भुने उसके बाद बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर पकाए अब नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर डाल कर मिलाए उसके बाद मेश किया हुआ आलू डाल कर अच्छी तरह मिलाकर 2 मिनट पका कर गैस बंद कर लीजिए। अब आटे से निम्बू के आकार की लोई तोड़कर गोल कर लीजिए, एक लोई उठाए और हाथ पर रखकर उसे उंगलियो की सहायता से बड़ा कर, टोकरी जैसा बना लीजिए, आटे की इस टोकरी में आलू मिश्रण 1 या 2 चम्मच डाल दीजिए और आटे को चारों और से उठाकर मिश्रण को अच्छी तरह बंद करके कचौरी जैसा बना लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना लीजिए। अब कढ़ाई में तेल डाल कर गरम कीजिए, अब जितनी कचौरी कढ़ाई में आ जाय उतनी कचौरी कढ़ाई में डाल कर दोनों और गोल्डन ब्राउन होने तक तल कर निकाल लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना कर तैयार कर लीजिए, गरमा गरम आलू की कचौरी तैयार।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)